



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 5, 1978 (श्रावण 14, 1900)
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 5, 1978 (SRAVANA 14, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई 1978

सं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रश्ना० III—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री जी० बी० माथुर को जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/68-प्रश्ना० III दिनांक 24-4-78 द्वारा तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 5/21/77-सी० एफ० (i) दिनांक 15 मार्च, 1978 द्वारा औद्योगिक विकास मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नामित कर दिये जाने के परिणाम-स्वरूप 1-5-78 के पूर्वार्द्ध से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

सं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रश्ना० III—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई
186GI/78

महायक श्री पी० एस० सबरवाल को जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना० III दिनांक 27 मार्च, 1978 द्वारा तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 5/21/77-सी० एफ० (i) दिनांक 15 मार्च 78 द्वारा निर्माण और आवास मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नामित कर दिये जाने के परिणाम-स्वरूप 2 मई, 1978 के पूर्वार्द्ध से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 27 जून 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना० III(1)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई महायक श्री बी० आर० बमरा को, राष्ट्रपति द्वारा 2-6-78 से 17-7-78 तक 46 दिन की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III(2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक तथा डैस्क अटैची के पद पर कार्यरत श्री एस० के० श्रोड्रा को, राष्ट्रपति द्वारा 12-6-78 से 27-7-78 तक 46 दिन की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

2 का० ग्री० प्र० सु० विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एम० (1) दिनांक 11-12-75 का अनुसरण करते हुए श्री एस० के० श्रोड्रा को, जब तक वह अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत है, डैस्क अधिकारी पुनः-पदित किया गया है तथा वह अनुभाग अधिकारी के वेतन के अतिरिक्त रु० 75/- प्रति माह विशेष वेतन लेंगे।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(3)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-5-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री एस० आर० खन्ना को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-78 से 7-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

दिनांक 30 जून 1978

सं० ए० 11016/1/76 प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनके सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है —

क्रम सं०	नाम	अवधि
1. श्री आर० एन० खुराना		15-6-78 से 15-7-78 तक (31 दिन)
2. श्री एम० श्रीनिवासन		21-6-78 से 15-7-78 तक (25 दिन)

2. का० तथा प्र० सु० विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एम० (i) दिनांक 11-12-75 की शर्तों के अनुसार ऊपरलिखित अधिकारी 75/- रु० प्रति माह विशेष वेतन लेंगे।

प्र० ना० मुखर्जी
उप सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978

शुद्धि-पत्र

सं० ए० 11016/1/78-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 6-6-78 का आंशिक आशोधन किया जाये और इस प्रकार पढ़ा जाये:—

(ii) श्री एस० के० श्रोड्रा, स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी (विशेष) को 30-5-78 (पूर्वाह्न) से सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है और 30-5-78 से 28-2-79 तक डैस्क अटैची नियुक्त किया गया है। वे भर्ती (नि०) अनुभाग में कार्य करते रहेंगे।

2. इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 6-6-78 द्वारा 30-5-78 से 28-2-79 तक डैस्क अटैची के पद पर श्री एन० के० डींगरा की नियुक्ति को रद्द समझा जाये।

दिनांक 30 जून 1978

सं० पी०/248 प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव के रूप में कार्य करते स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री आर० आर० अहीर को राष्ट्रपति द्वारा 30-6-1978 (अपराह्न) से वार्धक्य निर्वतन की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से निवृत्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी,
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० ए० 31014/1/78-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1974 के आधार पर परीक्षाधीन रूप में नियुक्त श्री के० के० झा को राष्ट्रपति द्वारा 1 जुलाई, 1978 से उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में उसी संवर्ग में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० पी०-4/73-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री पी० बी० हिंगोरानी, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश) ने दिनांक 30-6-78 (अपराह्न) में अपर निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० पी०-4/73-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश संवर्ग के सेवा-निवृत्त भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री पी० बी० हिंगोरानी को दिनांक 1 जुलाई, 1978

के पूर्वाह्न से छः मास की अवधि के लिये पुनर्नियुक्ति, के आधार पर अपर निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी, उपनिदेशक (प्रशासन)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० बी०-5/74-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद में प्रतिनियुक्ति गुजरात राज्य पुलिस के अधिकारी श्री बी० के० गिल, पुलिस उप-अधीक्षक की सेवायें दिनांक 30-6-78 (अपराह्न) से राज्य सरकार को सौंपी जाती है।

महेन्द्र कुमार अग्रवाल,
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० ए०-21021/15/78-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, निम्नलिखित उप-निरीक्षकों को उनकी प्रोन्नति हो जाने पर प्रत्येक के सम्मुख दिखाई गई तिथि से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग बम्बई (सामान्य अपराध स्कन्ध) शाखा में पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
		(अपराह्न)
1. के० डी० मिश्रा		19-6-1978
2. आर० आर० सहाय		19-6-1978
3. के० टी० मैथ्यू		22-6-1978
4. ए० जी० कर्वे		19-6-1978

सं० ए० 21021/15/78-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री मोहम्मद अंसार ई० मुशी, उप-निरीक्षक को प्रोन्नति हो जाने पर, दिनांक 17-6-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, अहमदाबाद शाखा में अस्थाई रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० ओ० दो० 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर बी० दलीप मूर्ति को 21-6-1978 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उम तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० ओ० दो० 4/76-स्थापना—श्री वी० आर० सूर, मनीपुर त्रिपुरा सवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी की सेवा में महानिरीक्षक सी० आई० एस० एक० को निर्वतन हेतु सौंप देने के फलस्वरूप, ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महानिरीक्षक अजमेर के पद का कार्यभार दिनांक 17-6-1978 पूर्वाह्न से छोड़ा।

दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० ओ० दो० 1076/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल इयूटी आफिसर ग्रेड-I) डाक्टर (श्रीमती) वीना गुप्ता, बेस हासपिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली का, त्यागपत्र दिनांक 14 जून, 1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० पी० सात० 9/76-स्थापना—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में, निम्नलिखित चिकित्सा अधिकारियों (जनरल इयूटी आफिसर ग्रेड दो, उप पुलिस अधीक्षक/कम्पनी कमांडर) की, अधिसूचना संख्याये पी० सात० 9/76 स्थापना दिनांक 20-10-77 तथा 2-2-78 के अन्तर्गत, जनरल इयूटी आफिसर ग्रेड-1 (सहायक कमांडेंट) के पद पर तदर्थ रूप में हुई नियुक्तियों को, उनकी तदर्थ रूप से हुई पदोन्नति की तिथियों से ही, जैसा कि प्रत्येक के सामने लिखा हुआ है, नियमित किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	जी० डी०ओ० वर्तमान पदोन्नति की तारीख	वर्तमान पदोन्नति का स्थान
1	2	3	4
1	डाक्टर पुरुषोत्तम पांडा	2-9-77	ग्रुप सेक्टर मोकामा घाट
2.	" देवेन्द्र नाथ कार	5-9-77	" गांधीनगर
3.	" टी० के० राय	31-8-77	" पल्लोपुरम
4.	" आर० के० प्रधान	7-9-77	" नागपुर
5.	" कुलोमनी महापात्रा	12-9-77	" भुवनेश्वर

1	2	3	4
6. डाक्टर वंचानिधि आचार्य	9-9-77	बेस हासपिटल-दो हैदराबाद	
7. " बी० सी० साहु	18-9-77	ग्रुप सेटर अवाड़ी	
8. " ऐ० के० बास	6-10-77	" रामपुर	
9. " सत्य नारायण पट- नायक	22-12-77	" बनतलाब, जम्मू	
10. " आर० के० मोहन्ती	10-12-77	" नीमच	
11. " जी० सी० मोहन्ती	6-12-77	" इम्फाल	
12. " यू० सी० बिसवाल	7-12-77	बेस हासपिटल-दो हैदराबाद	
13. " के० के० सैनी	21-11-77	" -I, नई दिल्ली	
14. " एस० एन० जय- प्रकाश	24-11-77	ग्रुप सेटर-1, अजमेर	

सं० ओ० दो० 1058/77-स्थाना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ओ०: ग्रेड-दो) डाक्टर राम भरोसा ठाकुर, 31 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, का त्यागपत्र दिनांक 6 जून, 1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 6 जुलाई 1978

सं० ई०-38013(2)/1/78-कार्मिक—एच० एफ० सी० एल० बरोनी को स्थानान्तरण होने पर श्री विजय सिन्हा ने 20 मई, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट से स्थानान्तरण होने पर श्री ए० सी० राय ने उसी तारीख से के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(2)/1/78-कार्मिक—कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट को स्थानान्तरण होने पर श्री अशोक दरबारी ने 28 मई, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एच० एफ० सी० एल० बरोनी के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० सी० सी० एल० झरिया से स्थानान्तरण होने पर श्री विजय सिन्हा ने उसी तारीख से के० ओ० सु० ब० यूनिट हिन्दुस्तान उर्वरक निगम लिमिटेड बरोनी के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

रा० च० गोपाल,
महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय

नई दिल्ली-2, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० प्रशासन-1 का० अ० सं० 188/5-5/पदोन्नति/78-79/662—महालेखाकार, इसके द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी को 30 जून, 1978 से अगले आदेशों तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं :-

क्रम सं० नाम

1. श्री ओ० पी० अग्रवाल-II

(ह०) अग्रठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार महाराष्ट्र-1

बम्बई-400020, दिनांक 30 जून 1978

सं० प्रशासन-1/आय० ए० डी०/5(128)/3—श्री जी० एस० रामसुभन, इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा अधिकारी को केन्द्रीय भांडागार निगम में दिनांक 31-10-1975 से स्थाई रूप में समा लेने के फलस्वरूप, केन्द्रीय नागरी सेवा (निवृत्ति वेतन) नियमावली 1972 के नियम 37, जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन, क्र० सं० 44(1)-ई० व्ही०/71, दिनांक 13-4-1973 के साथ पढ़ा जाये, के अन्तर्गत दिनांक 31-10-1975 से सेवानिवृत्त समझे जायेंगे।

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ने श्री जी० एम० रासुभन, लेखा अधिकारी के, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली ने उनके प० सं० 1777 जी० ई०-II-62-77-II दिनांक 17-6-78 स सूचित की गई शर्तों के अनुसार, केन्द्रीय भांडागार निगम में दिनांक 31-10-1975 से स्थाई रूप से समा लेने की मंजूरी दी है।

ह०/अग्रठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार, प्रशासन

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाये,

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 79/ए०-प्रशासन/130/75-78—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाये, निम्नलिखित अधीनस्थ लेखा सेवा के

स्थाई/अस्थाई सदस्यों को उनके सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री			
1.	बी० शंकरानारायणन (स्थाई अनुभाग अधिका- कारी)	वरिष्ठ उप निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा नेवाये पश्चिमी कमान मेरठ।	7-6-78 (अपराह्न)
2.	किशन लाल अस्थाई अनुभाग अधिकारी	वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षा आयुद्ध फैंकटरी कानपुर)	26-6-78 (पूर्वाह्न)

सं० 80/ए० प्रशासन/130/75-78—हिन्दुस्तान जस्ता लिमिटेड में स्थाई रूप से अन्तर्लयेन के परिणाम स्वरूप श्री सी० बी० विश्वनाथन स्थाई अनुभाग अधिकारी/अस्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, का ग्रहणाधिकार अवसान इस विभाग में मूल नियम 14-ए(डी०) के अधीन, दिनांक 5-5-77 (पूर्वाह्न) से हो गया है।

सं० 81/ए० प्रशासन/130/75-78—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री ओ० पी० एस० दाव० स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 31-5-1978 (अपराह्न) लेखा परीक्षा रक्षा सेवाये विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० दास भौमिक, वरिष्ठ उप-निदेशक, लेखा परीक्षा,

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 6 जुलाई 1978

सं० 23011(1)/66/प्रशा०-II—निम्नलिखित अधिका- रियों की, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप ए० के कनिष्ठ समय-मान में, पुष्टि की जाती है :—

क्रम सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1.	कुमारी उषा ग्रेस	16-7-1977
2.	श्री थोमस ए० कल्लीवयलिल	30-11-1977
3.	श्री अभिजित बसु	17-7-1977
4.	कुमारी राधा एस० अय्यर	30-11-1977
5.	श्री हरिसंतोष कुमार	30-11-1977
6.	कुमारी गंगा परकटी	31-7-1977

दिनांक 14 जुलाई 1978

शुद्धि पत्र

सं० 68018(2)/71/प्रशा०-II—उत्त कार्यालय की दिनांक 25 जुलाई, 1977 की अधिसूचना सं० 68018 (2)/71-प्रशा०-II, जो कि श्री सी० बी० नागेन्द्र, आई० डी० ए० एस० की दिनांक 16 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से स्तर-II के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति के संबंध में, भारत के राजपत्र दिनांक 20 अगस्त, 1977 (भाग-III, खण्ड-1, पृष्ठ 3666) में अधिसूचित की गई थी, एतद्-द्वारा रद्द की जाती है।

बी० एस० भीर, रक्षा लेखा
अवर महा नियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरिया सेवाये

महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० 33/78/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री के० एन० पाई, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन) दिनांक 2 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक
आर्डनैन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुषत (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० 12(323)/62-प्रशासन(राजपत्रित)—भारतीय निवेश केन्द्र, नई दिल्ली से प्रतिनियुक्ति से वापिस आने पर श्री एच० एम० सोम ने दिनांक 30 जून, 1978 (अपराह्न) से कार्यालय, विकास आयुषत (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उप निदेशक (यात्रिक) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एम० पी० गुप्ता, उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० ए०-19011/75/76-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री बी० एन० बासू, स्थानापन्न सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो का दिनांक 24 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से त्यागपत्र स्वीकृत किया जाता है।

एम० बालगोपाल, कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

दिनांक 13 जुलाई 1978

देहरादून, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० स्था० 5390/913-एच०—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या स्था० 5359/913-एच० दिनांक 19 अप्रैल, 78 के अनुक्रम में महासर्वेक्षक कार्यालय के श्री रमेश कुमार चमोली, हिन्दी अधिकारी की तदर्थ नियुक्ति 30 सितम्बर, 1978 तक या जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला, मेजर-जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

सं० ए० 19015/9/76-प्रशानन-1—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री एम० बी० रमन 30 जून, 1978 अपराह्न से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशानन (सं० व प०)

नई दिल्ली, दिनांक 1978

सं० ए० 12026/14/78-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार करनाल के कार्यालय अधीक्षक श्री एस० जी० केंत को 1 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी भण्डार में (राजपत्रित ग्रुप बी०) सहायक डिपो मैनेजर के पद पर नियुक्त कर दिया है।

संगत सिंह, उपनिदेशक प्रशानन (स्टोर)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 4(90)/77-एम०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ई० जे० अलहट, को आकाशवाणी, बम्बई में 24-4-78 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक
छत्ते महानिदेशक

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

ग्राण विकास विभागमी

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० ए० 19024/8/78-प्र० तू०—श्री सी० एस० शर्मा, बरिष्ठ रसायनज्ञ को दिनांक 1-7-78 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय एमार्क प्रयोगशाला, कानपुर में अल्पकालीन आधार पर मुख्य रसायनज्ञ नियुक्त किया जाता है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1978

शुद्धि पत्र

सं० ए० 12023/15/76-(एच० क्यू०) (प्रशासन-1)—इस निदेशालय के 5 जुलाई, 1977 की अधिसूचना संख्या ए० 12023/15/76-(एच० क्यू०) प्रशानन-1 के पैरा 1 के स्थान पर निम्नलिखित वाक्य पढ़ा जाय:

“श्री जे० के० मिक्का ने 5 मार्च, 1977 अपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से सहायक आर्किटेक्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।”

सं० ए० 19020/16/78-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० के० खुल्लर को 13 जून, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मेरठ के अधीन दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० ए० 19023/58/78-प्र० III—श्री एस० बी० चक्रवर्ती, सहायक विपणन अधिकारी को दिनांक 29 जून 1976 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन माह की अवधि के लिये या जब तक नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, फरीदाबाद में स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग I), नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री चक्रवर्ती ने दिनांक 27 जून, 1976 के अपराह्न में वाराणसी में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० पी० चावला,

निदेशक, प्रशासन

छत्ते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1978 सूचना

सूचना

सं० सन्दर्भ 7(सामान्य)/77/सतर्कता/803:—नीचे दिया हुआ पत्र जो श्री के० बी० कर्की, वाचमैन (कार्यप्रभारी) बी० ई० सी० प्रोजेक्ट, कलकत्ता को रसीदी रजिस्ट्री द्वारा उनके अन्तिम ज्ञात पते पर भेजा गया था, डाक अधिकारियों द्वारा वितरित हुए बिना वापिस आ गया। अतः पत्र को गजट में प्रकाशित किया जाता है।

रजिस्ट्री रसीदी डाक
परिवर्ती उर्जा साइक्लोट्रॉन

भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

परिवर्ती उर्जा साइक्लोट्रॉन

कलकत्ता-700064, दिनांक 21/22 अप्रैल 1977

विषय:—श्री के० बी० कर्की, वाचमैन की अनधिकृत गैर-हाजिरी—काम पर रिपोर्ट करने में असफलता नियुक्ति की शर्तों के अनुसार एक माह का नोटिस

सं० सन्दर्भ: बी० ई० सी०/सी०/पर-के० बी० के०/3294—श्री के० बी० कर्की, वाचमैन (कार्यप्रभारी), बी० ई० सी० कलकत्ता ने दिनांक 6 अप्रैल, 1976 से 30 दिन की छुट्टी की दरखास्त दी थी तथा उन्हें 8 मई 1976 को काम पर वापिस आना था।

दिनांक 9 जून 1976 को एक ज्ञापन उनके पते पर जो कार्यालय के रिकार्ड में प्राप्त था, रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा गया था, जिसमें उनसे फौरन काम पर आने को कहा गया था, तथा बाद में दिनांक 8 जुलाई, 1976 को एक स्मरणपत्र भी भेजा गया था। इसका पत्र डाक अधिकारियों द्वारा वापिस कर दिया गया क्योंकि उसे वितरित नहीं किया जा सका।

आज तक ना तो श्री कर्की काम पर आये हैं और न ही उनका कोई सन्देशा इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है।

सक्षम प्राधिकारी ने श्री के० बी० कर्की की सेवाओं को समाप्त कर दिया है तथा दिनांक 16 मार्च 1973 के नियुक्ति ज्ञापन की शर्तों के अनुसार इसके द्वारा उन्हें एक महीने का नोटिस दिया जा रहा है।

ह० टी० जे० असनानी,
प्रशासनिक अधिकारी-III

श्री के० बी० कर्की,
ग्राम दहाचौक पुरन्दी
डाकखाना काठमांडू
पी० एस० कितिपुर
जिला: काठमांडू (नेपाल)

श्री के० बी० कर्की,
मार्फत श्री चन्द्रबहादुर कर्की
मोतीसील कालेज, दमदम,
कलकत्ता-28।

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० क्र० भ० नि०/2/1(1)/77-प्रशासन/17750—निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० एम० रामास्वामी, सहायक क्रय अधिकारी को अवकाश स्वीकृत होने के कारण, इस निदेशालय के क्रय सहायक श्री डी० डी० नायक को स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 3-5-78 से 3-7-78 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क्र० भ० नि०/2/1(1)/77-प्रशासन/17756—निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्न-लिखित भंडारियों को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में प्रत्येक के मामले प्रदर्शित तिथि से 31 जुलाई, 1978 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करने हैं।

(1) श्री बी० बी० नायर 4-5-78

(2) श्री एम० आर० मेनोन 12-6-78

सं० क्र० भ० नि०/2/1(1)/77-प्रशासन-17765—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 जनवरी, 1978 के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के भंडारी श्री आर० सी० नैयर को, स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर अग्रिम समय 31 जुलाई, 1978 तक, तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० 05052/78/3248—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य अधिकारी, श्री अश्विन कुमार पारिख, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी०' भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को 1 फरवरी, 1978 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए उसी परियोजना में स्थानापन्न रूप से अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/78/3249 —भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री सुभाष राव, अस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को 1 फरवरी, 1978 से आगे आदेश होने तक, के लिए उसी परियोजना में अस्थायी स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड सी०), नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० भापाप/स्था०/ प० 3265 —भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री घनश्याम छगन भाई पटेल, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में, श्री एस० सी० ठाकुर, सहायक कार्मिक अधिकारी (बड़ौदा) जो 8 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से 10 जून, 1978 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी

जी० संधुरामण
उपस्थापना अधिकारी

नियुक्त किए गए हैं के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
अरिष्ठ प्रणामन अधिकारी

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 1978

सं० अ० उ० के०/स्था०/संचार/ए० एस० डी०/12/78—
अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री के० बी० पटेल, अस्थायी
जीनियर एस० बी० की सेवा का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया
है, जो 10 जुलाई, 1978 अपराह्न से लागू होगा।

एस० जी० नायर
प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० ई० (1) 00920 —वेधशालाओं के महानिदेशक
डा० के० सी० गर्ग को भारत मौसम सेवा ग्रुप बी० (केन्द्रीय
भिविल सेवा, ग्रुप बी०) में दिनांक 21 जून, 1978 के पूर्वाह्न
तक आगामी आदेश तक, सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थाई
रूप में नियुक्त करते हैं।

डा० गर्ग को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय
में तैनात किया जाता है।

गुरुमुख राम गुप्ता
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० ए० 32014/1/78 ई० एस० —महानिदेशक नागर
विमानन ने श्री जानकी प्रसाद, भंडार सहायक को दिनांक
12-6-78 से और अन्य आदेश होने तक भंडार अधिकारी (ग्रुप
‘ख’ पद) के रूप में क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय में नियुक्त
किया है।

मुग्गीत लाल खंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० ए० 31013/1/78-ई० ए० —राष्ट्रपति ने निम्न-
लिखित अधिकारियों को दिनांक 21-6-78 से नागर विमानन

विभाग में उपनिदेशक/विमान क्षेत्र नियंत्रक के ग्रेड में स्थायी तौर
पर नियुक्त किया है।—

क्रम सं०	नाम	मीजूदा तैनाती स्टेशन
1	श्री जगदीश चन्द्र	उपनिदेशक (टी० ई०) मुख्यालय में
2	श्री एम० डब्ल्यू० जे० नार्टन	विमान क्षेत्र नियंत्रक, मद्रास एयर पोर्ट, मद्रास
3	श्री एम० के० बोम	उपनिदेशक (योजना) मुख्यालय में

सं० ए० 39013/4/78-ई० ए० —श्री जी० एस० गणेशन,
सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास ने दिनांक
27 जून, 1978 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया
है।

बी० वी० जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० 16/302/78 स्थापना 1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान
संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री ए० एन० शुक्ला को
वन अनुसंधान केन्द्र, वनि हाट में दिनांक 27 अप्रैल, 1978 के
पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त
करते हैं।

दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० 16/290/77 स्थापना -1 —अध्यक्ष, वन अनुसंधान
संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० सतेन्द्र नाथ दास को
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, के अधीन
पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत ‘वन मृदा प्रयोगशालायें
(वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण)’ के क्षेत्रीय केन्द्र मिदनापुर
में दिनांक 11 मई, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष
अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/283/77 स्थापना -1 —अध्यक्ष, वन अनुसंधान
संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री अवधेश कुमार सिंह
को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय की पांचवीं पंच-
वर्षीय योजना के अन्तर्गत ‘वन मृदा प्रयोगशालायें (वन मृदा
व वनस्पति सर्वेक्षण)’ योजना के क्षेत्रीय केन्द्र जबलपुर में दिनांक
1 मई, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान
अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० 16/292/77 स्थापना-1 —अध्यक्ष, वन अनुसंधान
संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री राम कुमार राठीर

को दिनांक 5 जुलाई, 1978, के अपराह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन,
कुल मन्त्रि

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा
सीमा शुल्क समाहर्तालय

नागपुर, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं. अ० क्र० 9/78—श्री एम० ए० कावरे, अधीक्षक (विधि)
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय, नागपुर से सेवानिवृत्ति की
आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-5-78 के अपराह्न से सरकारी
सेवामुक्त हो गये हैं।

माधव परलकर,
समाहर्ता

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला
नई दिल्ली-12, दिनांक 6 जुलाई 1978

सं० नं० 2/7/78—स्थापना—श्री एम० जे० भनसाली, रसायन
महायक ग्रेड-1, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कांडला का दिनांक
30-6-78 (पू०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक केन्द्रीय
उत्पादन शुल्क क्षेत्रीय प्रयोगशाला, बडौदा में सहायक रसायन
परीक्षक के पद पर सामयिक रूप से नियुक्त किया गया है।

दि० रा० गुप्ता
मुख्य रसानज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली 110011, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० 19/43/78-न० ज० वि० न्याया० :—मन्त्रि, नर्मदा
जल विवाद न्यायाधिकरण, श्रम मंत्रालय के सी० एस० एम० एस०
कांडर के ग्रेड 'सी०' के प्रवरण कोर्टि के आशुलिपिक, श्री एन०
एस० नटराजन, को नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण में निजी
सचिव के पद पर, 1 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश
जारी होने तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न क्षमता में
नियुक्त करते हैं।

सुनील कुमार चन्दा,
प्रशासनिक अधिकारी

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० ए० 12017/5/76-प्रशा० पांच —अधिसूचना सं०
ए० 12017/5/76-प्रशा०-पांच, दिनांक 17 फरवरी, 1978
के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० ए० शाह
की तदर्थ नियुक्ति को कोयम्बतूर गेजिंग प्रभाग, कोयम्बतूर,
केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन)
की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810 द० रो० -35-880-
40-1000 - द० रो० - 40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया
2—186GI/78

अस्थायी आधार पर दिनांक 1/7/1978 से 30/9/1978 तक
अगली अवधि के लिए अथवा इस श्रेणी में नियमित अधिकारी
के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० ए० 12017/5/76-प्रशा० पांच—अधिसूचना
सं० ए० 12017/5/76-प्रशा०-पांच, दिनांक 27 फरवरी, 1978
के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० के० गोस्वामी
की तदर्थ नियुक्ति को गोहाटी गेजिंग प्रभाग में सहायक अनुसंधान
अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-
810-द० रो०-35-880 -40-1000-द० रो०-40-1200 के
वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी आधार पर 1/7/1978 से
30/9/1978 तक की अगली अवधि के लिए अथवा इस श्रेणी में
नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० ए० 19012/667/77-प्रशा०-पांच —अध्यक्ष, केन्द्रीय
जल आयोग श्री एम० सी० सूद, अनुसंधान सहायक को सिक्किम
अन्वेषण प्रभाग, गंगटोक (सिक्किम), केन्द्रीय जल आयोग
में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर रु०
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०
रो० - 40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ
आधार पर 24 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 25 अक्टूबर, 1978 तक
अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले
हो, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० 33/1/77-ई० सी०-9 (भाग -4) —निर्माण महा-
निदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित
निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1020 द०-
रो० - 40-1200 रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर उनके
आगे लिखी तारीखों से सहायक वास्तुक के अस्थायी पद पर
(केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी०) नियुक्त करते हैं।

1. श्री आर० एम० अग्रवाल 31-5-78 (पूर्वाह्न)

2. श्री पी० एस० खुराना 1-6-78 (पूर्वाह्न)।

2. उक्तलिखित अधिकारियों को उनके केन्द्रीय लोक निर्माण
विभाग में आने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा
पर रखा जाता है।

कृष्ण कान्त,
प्रशासक उपनिदेशक

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

पूर्ति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० ए० 39012/5/76-स्था०-1 —राष्ट्रपति, पूर्ति तथा
निपटान निदेशालय कलकत्ता के (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-2)

उप निदेशक, पूर्ति श्री एन० के० मल्होत्रा, को 3-2-1978 से सरकारी सेवा से बर्खास्त करते हैं।

शिव शंकर खत्री,
उप सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधिन
सूचना
दी कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में
और
दी आंध्र आटो मोबाइलस प्राइवेट लिमिटेड के मामले

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 78

सं० 277/लिवि —सिविल० अर्जी सं० 2 ऑफ 1976 में स्थित आंध्र प्रदेश उच्चन्यायालय के तारीख 15-10-1976 के आदेश द्वारा दी आंध्र आटो मोबाइलस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 डेबोनेयर लिमिटेड के विषय में
हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 643/560 (5) 78 —कम्पनी अधिनियम के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में कम्पनी का नाम "डेबोनेयर लिमिटेड" रजिस्ट्रार से काट दिया गया और कम्पनी विघटित हो गई।

वि० एस० राजु,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और रागरूपा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 78

सं० 24376/560 (3) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रागरूपा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सपना प्रेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 17080/560 (3) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सपना प्रेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और व्याकसेल इण्डिया लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 29632/ 560 (3) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर व्याकसेल इण्डिया लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० सिनाय,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू इंडिया लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 78

सं० जी०/स्टेट/ 560/2693/3524—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि न्यू० इंडिया लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० के० साईकिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 78

सं० जी०/स्टेट/ 560/ 3251/ 3525 —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० के० साईकिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और वशिष्ठ चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० जी० / स्टेट / 560 / 3235/3527 — कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वशिष्ठ चिट फण्ड एण्ड

फाईनेस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री गणेश मोटर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 12 जुलाई 78

सं० 764/560/78 —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री गणेश मोटर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर एक्सट्राक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० 2226/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर एक्सट्राक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 में मेटल प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० एल०/11920/एच० डी०/1825—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च-न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 17-6-76 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सै० सरदा चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० एल०/27902/एच० डी०/1882—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण

में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 29-11-77 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च-न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सै० ओडालिया लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० एल०/1858/एच० डी०/1808—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 28-2-76 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च-न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इलेक्ट्रीसिटी एण्ड साउण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० (465) 560/78-79/1/2643—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इलेक्ट्रीसिटी एण्ड साउण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० बनर्जी,
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अन्नै नाडु पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1978

सं० 6243/560 (3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अन्नै नाडु पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० परम्पकेशन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1956 और के पवित्रा चिट स्कीमस् एण्ड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एम० ए० 553/1367(2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है की पवित्रा चिट स्कीमस् एण्ड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उड़ीसा होमी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 494/1368 (3) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा होमी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उड़ीसा इण्डस्ट्रियल कम्बाईन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 515/1370 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा इण्डस्ट्रियल कम्बाईन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आखण्डलमनी मिल्क प्रोड्यूसर्स एण्ड कन्फेक्शनरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 522/1371(2) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आखण्डलमनी मिल्क प्रोड्यूसर्स एण्ड कन्फेक्शनरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिन्तालयज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 549/1372 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सिन्तालयज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नीड उड़ीसा केमिकल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 558/1373 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नीड उड़ीसा केमिकल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कलिंग सी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 561/1374 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कलिंग सी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कलिंग सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 557/1375 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कलिंग सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टार आफ उडिसा क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 587/1376 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टार आफ उडिसा इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
उड़ीसा

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 78

सं० 36/7/76-ए० डी०/डी० ओ० एम० एस०/4207 :—श्री डी० पी० राय, वरिष्ठ विश्लेषक, एस० आई० यू०, व्यय विभाग, जो अभी तक इस निदेशालय में सहायक निदेशक

के पद पर कार्य कर रहे थे, ने अपनी निवृत्तिन आयु प्राप्त करने पर संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर), नई दिल्ली में 30 जून, 1978 (अपराह्न) से सहायक निदेशक का कार्यभार त्याग दिया है।

जगदीश चन्द
निदेशक

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/1978 :— श्री निरंजन दास आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली के स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, जिन्हें तदर्थ आधार पर तीन महीने के लिए अर्थात् 17 अक्तूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से आयकर अपील अधिकरण के अमृतसर न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, कृपया देखिये इस कार्यालय की समसंख्यक दिनांक 1 नवम्बर, 1977, और फिर उसके बाद उन्हें उसी क्षमता में आयकर अपील अधिकरण के अमृतसर न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर और छह महीने के लिए अर्थात् 17 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से 16 जुलाई, 1978 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, कि उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपील अधिकरण के अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में सहायक पंजीकार के पद पर और तीन महीने के लिए अर्थात् 17 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से 16 अक्तूबर, 1978 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी

और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ० 48-ए० डी०/(ए० टी०)/78 :— श्री एम० के० दलवी, जो आयकर अपील अधिकरण के उत्तरी क्षेत्र नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक हैं और जिन्हें श्री सी० एल० बनोट, सहायक पंजीकार, दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली के स्थान पर अवकाश रिक्ति में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, में दिनांक 14-11-77 से 13-1-78 तक आरम्भ में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, देखिये इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28-11-77 और तदन्तर उसी क्षमता में आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली के स्थान पर अवकाश रिक्ति में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 14-1-78 से 10-2-78 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी और उसके बाद जिन्हें आयकर अपील अधिकरण के बम्बई न्यायपीठ बम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 10-2-78 से नियुक्त किया गया था, देखिये इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 9-2-1978 को अब बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 13-11-78 या तब तक जब तक कि उपर्युक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं उसी श्रेणी में न तो बरीयता के अभिप्राय से परिगणित की जायेगी और न उससे निकटतम उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

पी० डी० माथुर,
अध्यक्ष

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/262/77-78—यतः

मुख्य, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० B-XVIII 621 और 453 जिसका क्षेत्रफल 445 वर्ग गज है का भाग है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवंबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुबीर सिंह पुत्र श्री मरवा सिंह वासी कोठी नं० 453, माडल टाऊन, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती देवकी बाई पत्नी श्री केदार नाथ वासी कोठी नं० 453, माडल टाऊन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(कोठी नं० बी०-XVIII 621 और 453 जिस का क्षेत्रफल 445 वर्ग गज है का भाग, जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है)।

जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2548 नवम्बर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 जुलाई, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

• अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/257/77-78—

अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 50 कनाल 1
मरला है तथा जो मांगट, एच० बी० 64, तह० लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्येक आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरनाम कौर विधवा श्री करतार सिंह
बासी गांव मांगट, तह० लुधियाना (अन्तरक)

2. श्रीमती करमजीत कौर पत्नी श्री ज्ञान सिंह बासी
गांव सोहरावाली, तह० गढ़शकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 50 कनाल 1 मरला है और
जो गांव मांगट एच० बी० 64, तह० लुधियाना में स्थित
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना के विलेख न० 2389 नवम्बर 1977 में दर्ज
है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 जुलाई, 1978
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/266/77-78—

प्रतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 243 (म्यूनिसिपल नं० बी०-18-845) जिसका क्षेत्रफल 855.22 वर्ग गज है। तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बेअन्त सिंह, एम० एल० ए० पुत्र श्री हजार सिंह वासी कोटली, हाकबर पार्सल, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्वश्री 1) यशपाल, 2) विक्रम कुमार; पुत्र श्री श्री प्रेम नाथ वासी 228-एल, माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 243 (जिसका म्यूनिसिपल नं० बी०-18-845 है) और जिसका क्षेत्रफल 855.12 वर्ग गज है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2585, नवम्बर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/258/77-78—

अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-1 251/3 जिसका क्षेत्रफल 140 वर्ग गज है तथा जो कचहरी रोड नजदीक दोमोरिया पुल लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

3-186GI/78

1. श्री पी० एम० आनन्द, सी० एम० ओ०, सोनीपत (हरियाणा)। (अन्तरक)

2. श्री बंजी प्रसाद जैन पुत्र श्री मुनशी लाल जैन, वासी बी०-1/251/बी कचहरी रोड, लुधियाना, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० बी०-251/3 और क्षेत्रफल 140 वर्ग गज है तथा जो कचहरी रोड, नजदीक दोमोरिया पुल, लुधियाना-3 में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के बिलेख नं० 2397 नवम्बर, 1977 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/पू०/269/77-78—

यतः मुझे, नत्थू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेला राम पुत्र श्री दौलत राम बी-3-948/1, घाटी गुजरां, लुधियाना
(अन्तरक)

2. श्री पूरन सिंह पुत्र गुरबक्स सिंह 983/ए, दीप नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा गांव हुसैनपुर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख नं० 2646 में दर्ज है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/267/77-78—

यत. मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1977 को।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मेला राम पुत्र श्री दौलत राम वासी बी-3-998/1, घाटी गुजरां दरेसी रोड, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री गुरुबक्स सिंह पुत्र श्री जीदा सिंह वासी 983/A बी-1, दीप नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2629 नवम्बर, 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/उब्ब्यू०/265/77-78—

यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है। तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :—

1. श्री मेला राम पुत्र श्री दौलत राम, बी-3/998/1 घाटी गुजरां, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री रेशम सिंह पुत्र श्री गुरवक्स सिंह दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2584 नवम्बर, 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—
III/225/नवम्बर-II(28)/78-79/17398—यतः मुझे,
जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 24/2, 25 है तथा जो 26 सतबरी
गांव, दिल्ली (नई दिल्ली) में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-12-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री फौजी, सुपुत्र श्री मिर्जा, इनके जनरल अटार्नी
श्री बुन्दु के द्वारा सुपुत्र श्री० फौजी, निवासी
सतबरी गांव, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द्र जैन, सुपुत्र श्री शेर सिंह जैन,
निवासी सी०-29, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है, और नं०
24/2, 25 तथा 26 है, सतबरी गांव, दिल्ली राज्य में
है।

जे० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 25 जुलाई, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/
216/नव० 2(8)/77-78—यतः मुझे, जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० ई-218 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-11-1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सीलू ठाकुर पत्नी श्री आनंद कुमार ठाकुर
16/39, डिप्लोमैटिक इन्क्लेव, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री अवतार कृष्ण गुरदास राम गुप्ते पुत्र श्री
विश्वनाथ खन्ना, एच० यू० एफ० निवासी बी-
68 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी भूमि का प्लॉट जिसका नं० 218-ई
जो कि ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में है तथा जिसका क्षेत्र-
फल 250 वर्ग गज है और जो निम्न प्रकार से घिरा हुआ
है :—

पूर्व : ई-216

उत्तर : सड़क

पश्चिम : सड़क

दक्षिण : गली

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 25 जुलाई, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-11

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
मार्च-55/78/373/1748-अतः मुझे, जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ई-494 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2/
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 18-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. सर्वश्री सतीश कुमार और राजेश कुमार, पुत्रगण
एच० आर० नन्दा निवासी जे० 27-एन० डी०
एस० ई० पार्ट-2, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री निहाल चन्द राक्यान, पुत्र श्री खैराती लाल
निवासी ई-494 ग्रेटर कैलाश, 2/ नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अवधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बनी जायदाद जिसका नं० ई०-494
क्षेत्रफल 550 वर्ग गज जो कि ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है:-

पूर्वः प्लॉट नं० ई-492

पश्चिमः प्लॉट नं० ई-496

उत्तरः सड़क

दक्षिणः सड़क

जे० एस० गिल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 15 जुलाई, 1978

मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—III

221/नवम्बर-II(14)/77-78/1748—अतः मुझे, जे०
एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एस० 252 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य मास्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरजीत सिंह, सुपुत्र श्री गुरनाम सिंह (2)
श्री तजीन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री रघुबीर सिंह,
निवासी डी-22, माडल टाउन, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मधु खुराना पत्नी श्री मनोहर लाल खुराना,
निवासी ए-3, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० एस-252 है और क्षेत्रफल 300
वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड़

उत्तर : प्लॉट नं० एस०-250

दक्षिण : प्लॉट नं० एस०-254

जे० एस० गिल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जुलाई, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०/
3/208/नव० I (28)/77-78/1748—अतः मुझे, जे०
एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इगमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एम-81 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रकाश वर्मा पत्नी श्री एस० डी० वर्मा
निवासी 17-बी, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. डा० अमर नाथ अरोड़ा, पुत्र श्री करतार सिंह
निवासी ए-53, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और तर्कों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट नं० एम० 81 जिसका क्षेत्रफल 250
वर्गगज है जो कि ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से घिरा है:—

पूर्व: सड़क

पश्चिम: सर्विस लेन

उत्तर: प्लॉट नं० एम-79

दक्षिण: प्लॉट नं० एम०-83

जे० एस० गिल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13 जुलाई, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—
53/नव० 212/77-78/1748—अतः मुझे, जे० एस०
गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-342 है तथा जो डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वन के अन्तरक के
वाणिज्य में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
ये उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षातः—

1. सरदार गुरबचन सिंह लाम्बा पुत्र सरदार मान सिंह
लाम्बा निवासी डी-84, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (i) सर्व श्री दिता राम सरदाना पुत्र श्री लड्डा राम
(ii) श्रीमती जुमा वाई पत्नी श्री दिता राम सर-
दाना

(iii) सतपाल पुत्र श्री दिता राम सरदाना, 4
राम नारायण पुत्र श्री दिता राम सरदाना,
निवासी डी-196 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक ठाई मंजिल जायदाद जिसका नं० ए-342 क्षेत्रफल
217 वर्ग गज है जो कि डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में
है तथा निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर : मकान नं० ए-343।

दक्षिण : मकान नं० ए० 341।

पूर्व : सड़क

पश्चिम : लेन।

जे० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 13 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-1, दिल्ली

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 दिनांक 13 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
192/नव०-2/(1)/77-78/1748—अतः सुझे, जे० एस०
गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-41 है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम जगुमाल चेतानी निवासी जी-41, जंगपुरा,
एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री वीनू कश्यप पुत्र श्री दरबारी लाल निवासी
जी-41, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन के प्लॉट नं० जी-41 पर बनी जायदाद ज़िमका
क्षेत्रफल 266 वर्गगज है जो कि जंगपुरा एक्सटेंशन, नई
दिल्ली में निम्न प्रकार से विभाजित हुआ है :—

उत्तर : सड़क

दक्षिण : लेन।

पूर्व : सड़क

पश्चिम : जायदाद प्लॉट नं० जी-40 पर बनी।

जे० एस० गिल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 13 जुलाई, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1317/78-79/
1743—अतः मुझे, एन० एस० चौपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो डी० एल० एफ० इण्ड-
स्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अथवा धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री मूल चन्द, निवासी
17/22, शक्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. (i) श्री सुभाष चन्द्र (ii) श्री मुनीश कुमार, सुपुत्र
श्री राम लाल, निवासी ई-13, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं० 7 है (इसका पश्चिम तथा
दक्षिणी हिस्सा), क्षेत्रफल लगभग 270 वर्ग गज (कुल
प्लाट का क्षेत्रफल 2664 वर्ग गज है), जिसपर ये तीन शेड
दो स्टोर, एक खुला बरामदा, दो शौचालय, एक मूलालय,
और चार दिवारी बनी हुई है, डी० एल० एफ०, इण्डस्ट्रियल
एरिया, नजफगढ़ रोड़, बसाए दारापुर, के गांव, दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 17 का शेष हिस्सा।

पश्चिम : प्लाट नं० 18 की तरफ सड़क।

उत्तर : प्लाट नं० 17 का शेष हिस्सा।

दक्षिण : प्लाट नं० 17 का शेष हिस्सा।

एन० एस० चौपड़ा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18-7-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०—
II/नवम्बर/1567(31)/77-78/—अतः मुझे, ए० एल०
सूद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

जिसकी सं० ए०-5 है तथा जो शंकर गार्डन, नजफगढ़, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 30-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रशि-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिनमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री आदर्श कृष्ण सुपुत्र श्री एल० धनश्याम नारायण
मकान न० 2584, गली न० 5, बीडनपुरा,
करौल बाग, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा मदान, पत्नी श्री कुन्दन लाल, मकान
न० 2811, गली न० 19, बीडनपुरा, करौल
बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 5, ब्लॉक नं० 'ए'
है और क्षेत्रफल 444.44 वर्ग गज है, शंकर गार्डन कालोनी,
दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, राजस्व राज्य,
पोसेनगीपुर गांव, मैन नजफगढ़ रोड़, दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है :-

पूर्व : प्लॉट नं० ए-6।

पश्चिम : प्लॉट नं० ए-4।

उत्तर : रोड़।

दक्षिण : रोड़।

ए० एल० सूद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, दिल्ली/नई दिल्ली-II

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :-

तारीख : 20 जुलाई, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1978

निर्देश सं० 89/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-4-100 और 101 है, जो मेटपल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः 1—

1. श्री पोत्ता गौड़, सुपुत्र नागा गौड़ मेटपल्ली, करीमनगर जिला (अन्तरक)

2. श्री के० वेंकटम्मा पत्नी के० वेंगलरेड्डी मेटपल्ली, करीमनगर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोद्वैताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर न० 1-4-100 और 101, मेटपल्ली गांव में स्थित है और जो करीमनगर जिला में स्थित है जिसका दस्तावेज सं० 1584/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-7-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० जी-90/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2-3-177 है, जो समगीपाल पेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन नवम्बर-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में म, मैं उक्त अधिनियम, की 269-घ की उपधारा (1)

1. श्रीमती रजिया बेगम पत्नी श्री रफी मुहम्मद खान 54, नलाकुनटा सीकीन्द्राबाद। (अन्तरक)

2. श्री अब्दुलकर पिता-बली महमद 2-3-177 रामगोपाल पेट-सीकीन्द्राबाद। (अन्तरिती)

3. श्री अब्दुल करीम और ट्रान्पिट समपली 2-3-177 रामगोपालपेट, सीकीन्द्राबाद (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० -2-3-177 रामगोपालपेट, सीकीन्द्राबाद कार्यालय,
दस्तावेज नं० 2200/77।]

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० आरएसी०-91/78-79—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 278, नयावे 1931 है, जो 18-वां
वार्ड अननतापुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अननतापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती तलुपुर राधाबाई पत्नी स्वर्गीय रामाराऊ
अननतापुर (2) श्रीमती पी० कमला पत्नी चन्ना
राजाराऊ कलपीरी चित्तूर जिला। (अन्तरक)

2 श्री (1) बनडारु चेन्नाकासप्पा (2) बी० रामादास
(3) बी० गंगाधर (4) बी० कोनय्या।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 72 सेण्टस 278 (पुराना), 1931
(नया) 18 वार्ड, अननतापुर।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

निदेश सं० आर ए सी-92/78-79—यतः मुझे के० एस०

बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं० 4-1-824/1 है, जो जे० ऐन० रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-186GI/78

1. कुमारी दीन बनुराज बसतावाला 4-1-824, जे० ऐन० रास्ता हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री राज कुमार गुप्ता पिता रूपकिशोर गुप्ता 17/4 वीगयानपुरी, हैदराबाद। (अन्तरिती)
3. मैसर्स राम एनटर प्रैस 4-1-824/1, जे०/ऐन० रास्ता हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी रूम नं० 4-1-824/1 जवाहरलाल नेहरू रास्ता
हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निदेश सं० आर ए सी० 93/78-79—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-824/2 है, जो जे० एन० रास्ता, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 77

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 कुमारी दीनबनुजाल बस्तावाला 4-1-824, जे० एन० रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2 श्री राज कुमार गुप्ता पिता रूप किशोर गुप्ता 17/4, वीगयानपुरी, हैदराबाद। (अन्तरिती)
- 3 मैसर्स राम एन्टर प्रैसस 4-1-824 जी० एन० रास्ता हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी रूम नं० 4-1-824/2 जवाहरलाल नेहरू रास्ता, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० आर ए सी०-94/78-79—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-418 है, जो फीलकाना, में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1977

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) थोदुपुनुरी अनजय्या पिता भीमय्या,
(2) टी० द नकटेशम
(3) टी० भुमेश
15-1-418, फीलकाना, हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) श्री मती गारी पली लक्ष्मीकान्तम्म परिन वीरेशम
3-2-269 केशव कुटीर, सीकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स मोहिन्द्र ट्रान्सपोर्ट
15-1-418 फीलकाना,
(2) जी० वीरेशम
(3) श्रीमती कमला बाई, हैदराबाद
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

उबलमंजिला घर 15-1-418 का भाग है, फीलकाना
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-7-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 95/78-79—यत मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० -39 है, जो एस० के० डी० कालोनी, अदीनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अदीनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) परचरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. एन० कासीपती राउ, पिता श्रीदेम्बर राउ,
एम० के० डी० कालोनी, अदीनी
(अन्तरक)

2. (1) के० प्रह्लाद रेड्डी
(2) के० शेनकर रेड्डी
(3) के० येला रेड्डी, के० वैनकट रेड्डी,
मारकड, गांव, अदीनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि श्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० XXI-39 एस० के० डी० कालोनी, अदीनी।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 15-7-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

सं० 96/78-79—यत मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/ए-25 है, जो सीदीयेमबर बाजार, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 '(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रभ्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. आशीक देवनानी, पिता कणुमल, पीलकाना, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री दीनानाथ मोदी, पिता हनुमानदास मोदी, आशोक आटोमोबैल, अफजलगंज, हैदराबाद के द्वारा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन पर का मलगी नं० 15-1-503/ए/25, सीदीयेमबर बाजार, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 97/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1-209, 210, 211 है, जो धीकनडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किन्नी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मेहताब कातुन पति हीसदरकान,
मीरआलम मन्डी, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीपति घर नं० 1-1-200,
धीकनडपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 1-1-209, दरवाजा नं० घर नं० 1-1-206, पहला मंजिला, घर नं० 1-1-201, खुली जमीन धीकनडपल्ली, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 15-7-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 98/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/2/906 है, जो हसमगंज, सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एम० एस० चन्द्रशेखर राउ
- (2) एम० रवीशंकर,
146, मारेडपली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. नेलुकुन्तला लक्ष्मी नरसम्मा,
39/40, मारेडपली, सिकन्दराबाद
3. पी० सी० तेलुकुन्तला, बालानरसय्या वेनकटेशम
7-2-906, हसमगंज, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वािबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोद्दिताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 7-2-906, लीस हीलड प्लाट नं० 20
हसमगंज सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1886/77
रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 15-7-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

सं० नं० 99/78 79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 है, जो जगा नं० 25 ए
सिकन्दराबाद में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी भाय या किमा धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्याम गोपाल सैवध्यार 25 ए सेनट
जानेस रास्ता, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमत् अश्वतीका

10-3-3/1, ईस्ट मारेड, पत्नी, सिकन्दराबाद

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 388.5 वर्ग यार्ड नं० 4 जमीन नं०
25 ए, सेनट जाम रास्ता, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 2093/77, रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सख्त प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

सं० 100/78 79—मतः मुझे के० एम० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 6/2/203 है, जो ए० सी० गार्ड कैरताबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—186GI/78

1. श्रीमती बदुनीसा बेगम पती सैयद अजीज हुसैन
20-7-645, हैदरमनजील पते दरवाजा,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री सैयद बीन अली पिता अलीबनिसाखी अदीपती
रहमानीया बैतुल माल सोमायटी, ए० सी० गार्ड
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-2-203, ए० सी० गार्ड हैदराबाद, दस्तावेज
नं० 2943/77, कैरताबाद, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

नं० 101/78 79--यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11/5/431/1 है, जो लकड़ी का पुल, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :—

1. श्री ई० कीच्छा रेड्डी,
5-5-754, बीपा महल, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री वरदालास्वामी,
513/डी, नया मलेपली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 11-5-431/1 लकड़ी का पुल, हैदराबाद
विस्तीर्ण 492 वर्ग गार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2785/77
कार्यालय कैरताबाद, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

नं० 102/78 79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 30 घर के 8-2-579 है, जो बनजारा हिल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री के० आर० श्रीदरन,
ए० डी० प्लेस, केसीकलश, रोरकेला 769016
(अन्तरक)

2. श्री पी० एस० बी० राजन,
11 उमानगर, बेगमपेट, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 30 घर नं० 8-2-579 बनजारा हिल्स,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1323 वर्ग यार्ड, दस्तावेज नं० 2847/77
ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में,
जै, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात :—

तारीख : 15-7-1978.
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० नं० 103/78 79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 10-3-36 है, जो ईस्ट मरिडपली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री० एस० वरदाराज पिता श्री० सी० सभापती
10-3-31/1 ईस्ट मरिडपली,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री सोहनराज पिता श्री इन्दरमल मारिडपली,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धर नं० 10-3-36, ईस्ट मरिडपली, सिकन्दराबाद
विस्तीर्ण 2394/वर्ग शीट उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद
दस्तावेज नं० 1956/77 ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० नं० 104/78-79—यत मुझे, के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12/155/12/56 है, जो तीरुमला, तीरुपति
में स्थित है (और इस से उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तीरुपति में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 7 नवम्बर, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाब उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अरचकम वेंकटरमना दीक्षीतुलु
घर नं० 364/बी, मीट्टु, की गली, तीरुपति
(अन्तरक)
2. अरचकम श्रीनिवासा मुरथी दीक्षीतुलु
108-आर० एस० माडा, गली तीरुपति।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 12/155/12/56, ऊतर मेडा गली, तीरुमला
तीरुपति में चन्द्रागिरि तालूक चीन्तूर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 2884/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-78
मोहर :

प्रकृप धार्ई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० नं० 105/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 6-2-100/83 है, जो सुभाष नगर, नैजामाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 24-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में;
बे, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जी सत्यानारायन रेड्डी
घर नं० 18-44/9/ए, चीकडपली, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री बी० लक्ष्मन बागीदार
मैसर्स रवीन्द्र होटल का
नैजामाबाद में
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक दूसरा मंजिला आर० सी० सी० घर नं० 6-2-200/83
सुभाष नगर, नैजामाबाद में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
4912/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० नं० 106/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मलगी नं० 50 है, जो जमीन की सता पर
अबीद शापिंग सैक्टर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्याप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री के० सत्यानारायण राजु,
घर नं० 8-2-438/I,
बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मोहमद अबदुल सलीम पिता मोहमद सुलेमान
3-5-786/38, गेरगुडा, किश कोटी,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 50, जमीन की सता पर अबीद शापिंग सैक्टर
घर नं० 5-8-512 तारीख 517/ए, चीराअली लेन हैदराबाद में।
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3175/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 107/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-8-28 का भाग है, जो पुराना बीट बाजार, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वारंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अकीनपली श्रीनिवासुलु पिता मु० जगननाहम —
स्टेशन रास्ता, वारंगल ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कोनडुर कलावती पति के० शनकर
गेनगम पुराना बीट बाजार,
वारंगल ।

(2) के० राजेश्वर राउ,
वारंगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 12-8-28 का भाग है, पुराना बीट बाजार, वारंगल में । रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3674/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय वारंगल में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 108/78-79—यत् मुझे के० एम० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-8-28 का भाग है, जो बीट बाजार वारंगल में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वारंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-186GI/78

1. श्री अकीनी पत्नी श्रीनिवासुलु, पिता मु० जगन्नादम—
स्टेशन रास्ता, वारंगल ।

(अन्तरक)

2. कोनडुर शंकरलिंगम, पिता कोमरय्या,
(2) के० सदासिव राउ पिता के० शनकर लीनगम,
पुराना बीट बाजार, वारंगल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 12-8-28 का भाग, पुराना बीट बाजार, वारंगल में है। दस्तावेज रजिस्ट्री नं० 3673/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय वारंगल ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण ;
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० 109/78-79—यन: मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 8-2-627 है, जो बन्जारा हिल्स रास्ता नं० 11 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया गया है :—

(क) अन्तरण क हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या फिता वन या प्रनः आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकटन किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुषरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) नवाव मुजीबयार जेनग,
(2) सायेबजादी खतुनीसा बेगम जोजा अदाकारी,
नवाव मुजीबयार जेनग
(3) सायेबजादी रहमतुनीसा बेगम
(4) सयेबजादी शौकतुनीसा बेगम—कुयारी है
जिमका पिता नवाव मुजीब यार जेनग
ईडनरारडेन, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. डाक्टर फजुलनीसा पति स्वर्गीय एमकान
8-2-627, रास्ता नं० 11, बन्जारा हिल्स,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

घर नं० 8-2-627 बन्जारा हिल्स, रास्ता नं० 11, हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3105/77, उप रजिस्ट्रार हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गजानन राज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० 110/78-79—यत मुझे, के० एम० नेहरुगमन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक
और जिसकी सं० 10 1 38 है, जो मासाव टेनक ग मिरा
(ग्रो० इससे उपायुक्त अनुसूची में और जा पूरा गया है वणिज्य)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रारण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या विद्या जाना चाहिए था छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1 श्रीमती राजमातुलताना पीन रामकृष्ण

10-4-14 मासाव टेनक हैदराबाद

(अन्तरक)

2 श्रीमती मयमा गुलताता पीन मैयद गनोग श्री

घर नं० 10-4 38, मासाव टेनक, हैदराबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में का भी आशय:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन का अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन का अवधि, के अन्तर्गत बाद में
समाप्त नहीं हो, न भीतर पूर्वोक्त अधिनियम से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त अधिनियम में निम्नलिखित किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अज्ञाततापरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10 4 38 मासाव टेनक के पास हैदराबाद।
गजानन रजिस्ट्रार नं० 3243/77 उप रजिस्ट्रार कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एम० नेहरुगमन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
गजानन राज, हैदराबाद

तारीख 17-7-78
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० 111/78-789—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-621/299 है, जो संजीव कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री पी गोपाल रेड्डी पिता नरसीम्मा रेड्डी, कारेप्पली जिम्मी कुन्दा, हुजुराबाद, करीम नगर।

(अन्तरक)

2. श्री देन्दूरामाराजु पिता सूर्य नारायणन, राजू, 7-1-621/299, संजीवी रेड्डी नगर कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-621/299, संजीव रेड्डी नगर कालोनी, हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2927/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैंरताबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

1. (1) पि० नरसिंहाराव
- (2) पि० मोहन राव
- (3) पि० सत्यनारायण
- (4) पि० सूर्य नारायण
- (5) पि० सिनील

विजयनगरम ।

(अन

2. श्री के० रामाराव,

विजयनगरम ।

(अन्तरती)

सं० 686—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 21-1-90 है, जो विजयनगरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-11-77 में पजीकृत दस्तावेज सं० 6527/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 687—यतः मुझे, एन० के नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 10-4-7 है, जो वैजाग में स्थित है, (और
इससे उपादक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम० श्रीरामुलु,
वैजाग ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वि० नैरी विजया प्रभावति
वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

शब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-11-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 3931/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-7-78

मोहर :

प्रारूप आर्द्रे० टी० एन० ए००—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 689—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० 22/5-54 है, जो तेनाली में स्थित है (ग्रीन इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती टि० सत्यवती पवी,
मद्रास ।

(अन्तरक)

2. (1) डि० बल्ली देवी
(2) डि० राज विश्वेश्वराराव,
(3) डि० वि० मुन्नहल्या नागेश्वरराव
तेनाली ।

(अन्तरिती)

3. (1) मैनेजर केनारा बंक,
(2) ठाकुरदास वि० चौनाली,
तेनाली ।

(नह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जा है ।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2915/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 691—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्ले भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एम० प्रभाकर राव,
वैजाग ।

(अन्तरक)

2. श्री के० कृष्णमराजू,
नेदुनूरु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-11-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 3686/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सूक्ष्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78
मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 692—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की श्रावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—186GI/78

1. श्री एम० नरसिंहराव,
वैजाग ।

(अन्तरक)

2. डा० एस० विकटर लूथर फेलमिंग,
वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3687/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 10-7-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 693—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;]

अतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, नै. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवहारा, अर्थात् :—

1. श्री एम० वेंकटरामय्या वैजाग ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० सत्यनारायण राजु,
वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 15-11-77 में
पंजीकृत दस्तावेज, नं० 3688/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78

मोहर:

प्रकृष आइ०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 694—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० अजय्या वैजाग

(अन्तरक)

2. श्री एम० कृपा जीवन वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छोक्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-11-77 में पञ्जीकृत दस्तावेज नं० 3689/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 10-7-78
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 695—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टि० एम० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या]

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एस० दुर्गामबा, वैजाग ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० कृपा जीवन, वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत अंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3690/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
एम०वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10 जुलाई, 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 696—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० टि० एम० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्रीमति एस० दुरगाबा, वैजाग।

(अन्तरक)

2. श्री एम० आर० हेमालता,
वैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अंत 15-11-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 3691/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम०बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 697—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 4/97 और 98 है, जो दौलेस्वरम् में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमन्डी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धातु या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिम्मे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्रीलाल बाबा रोलिंग गंड पीट मिल्स, (प्र०) लिमिटेड,
डायरेक्टर श्री डि० वेंकटरसिन्हा राजू,
दौलेस्वरम् ।

(अन्तरक)

2. श्री सत्या मेटल इन्डस्ट्रीज
पाटनर श्री सि० एच० अम्पलाराजू,
दौलेस्वरम् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 15-11-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4343/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 10-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 698—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 40-5-25/1 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
वर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वि० सूर्याप्रकाश राव ,
विजयवाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री जि० सूर्याकुमारी ,
विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पार्श्विक अंत 30-11-77
में पंजीकृत दस्तावेज न० 3434/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम्० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख : 18-7-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 699—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 11-41-55 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्त्ता:—

1. श्री राम निवास जकोटिया,
(2) श्री गुलाबबाथ जकोटिया,
विजयवाडा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला तोपिनवाला, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दाने करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्ताहबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-11-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3398/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख: 18-7-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 700—यतः मझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 11-54-2 है, जो विजयवाडा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्परागत प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—186 GI/78

1. श्री पी० श्रीरामकु विजयवाडा (अन्तरक)
2. श्रीमती एन० सूर्याकुमारी विजयवाडा। (अन्तरिती)
3. (1) श्री आर० पेरथा अन्ड को०, (2) एन०
श्री कृष्ण मूर्ति, विजयवाडा। (यह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 30-11-
77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3423/77 में निगमित अनु-
सूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० वि० अर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख: 18-7-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 701—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नदिगाम पेलास है, जो टेक्काली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टेक्काली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) उसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री के० सि० गजपति डियो टेक्काली (अन्तरक),

2 (1) श्री बि० दामू (2) बि० मुरली (3) बि० लक्ष्मी नारायण टेक्काली। (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एवढीकरण :—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भरण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टेक्काली रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2926/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-7-78
मोहर :

प्रकरण आई०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई, 1978

सं० 702—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० 545/ए है, जो काल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री पि० सोमेश्वराय (2) पि० कनका-दुर्गमबा (3) पि० नागवेंकटा सूर्यनारायण मूर्ति (4) पि० वीर वेंकटा सत्यनारायण मूर्ति (5) पि० सूर्याकाम (6) पि० कुसमा कुमारी (7) पि० इलानसी लक्ष्मी अज्जरम। (अन्तरक)
2. श्रीमती टि० रंगनाथकम्मा काल्ला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उनडी रजिस्ट्री अधिकारी सं० पाँक्षिक अंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2163/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख: 18-7-78

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देश सं० 703—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 29-19-78 है, जो विजयवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 17-11-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० राघवय्या, विजयवाड़ा। (अन्तरक)
2. श्री के० वेंकटा रंगाराव विजयवाड़ा। (अन्तरिती)
3. (1) श्री एस० राधाकृष्णा, (2) श्री एनफोर्समेंट
ऑफिसर, विजयवाड़ा। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत
30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3306/77 में निगमित
अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-7-1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देश सं० 704—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 851, 852 और 853 है, जो पेदाकापवरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उतडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एस० सुरपाराजू गनपकरम (अन्तरक)

2. श्री के० सूर्यानारायनाराजू पेदाकापवरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उतडी रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2244/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई, 1978

सं० 705—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एम० 851, 852 और 853 है, जो पेदाकापवरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः प्रदत्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री (1) एस० सुस्फाराजू (2) एस० रामकृष्णम राज गनपवरम। (अन्तरक)

2. श्रीमती के० बंगारम्मा, पेदाकापवरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उनडी रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2243/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-7-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई, 1978

सं० 706—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 851, 852 और 853 है, जो पेदकापवरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-11-77 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) एस० वेंकटराजु (2) एस० सीतारामाराजु (3) एस० रामकृष्णम राजू पेदकापवरम। (अन्तरक)

2. श्री के० सूर्यनारायणाराजु पेदकापवरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उनडी रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2242/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-7-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 707—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 851, 852 और 853
है, जो पेदाकापवरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाइ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रकाशित अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एम० कृष्णमराजू (2) एम० वेंकटा
सूरपारोज, गन्पेवरम। (अन्तरक)

2. श्री के० सूर्य नारायण राजु पेदाकापवरम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उनडी रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 30-11-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2241/77 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-7-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती के० सारदेवा, हैदराबाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० माधवराव, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

निदेश सं० 708—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 36-13-8बी है, जो विजयवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 17-11-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—186G1/78

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अंत 30-11-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3300/77 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-7-78

मोहर :

प्रारूप आइ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 24 जुलाई, 1978

निदेश सं० ए० पी० 293/HSR/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्णतः उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण यद्यपि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में समा कराना उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कैप्टन राजा पाल सिंह पुत्र हरकिशन देव सिंह वासी गली नं० 11 कृष्ण नगर, होशियारपुर (अन्तरक)
2. श्री ठाकुर मुन्शी राम उर्फ बेसरिया राम पुत्र श्यामा (2) रमेश गुप्ता पुत्र जगीरी लाल फेयरवेज टरैवल सर्विस, कोर्ट रोड होशियारपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हस्ताक्षर: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृष्ण नगर होशियारपुर में गली नं० 11 में मकान का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 2936 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 24-7-78

मोहर:

प्रकरण प्र० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411005

पूना, दिनांक 19 जुलाई, 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/एरंडोल/363/नवम्बर 77—

यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 175/बी 2 है तथा जो उत्तरन
जिला जलगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय एरंडोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-11-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाधा उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वयत्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या तिया जाता जादिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. 1. श्री मकुलचंद बंसीलाल संघवी,
2. सुरेशचंद बंसीलाल संघवी, उत्तरन
ता० एरंडोल, जिला जलगांव। (अन्तरक)

2. डायरेक्टर्स आफ निलॉन्स फूड प्रायवेट लि० कम्पनी,
उत्तरन, ता० एरंडोल, जि० जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के मूल्य के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ह्रास
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राहस्ताधिकारी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, या उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और उसके ऊपर का मकान जो गट क्र०
175/बी 2, उत्तरन गांव, ता० एरंडोल जि० जलगांव में
स्थित है। जमीन का क्षेत्रफल 2 एकर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 363 नवम्बर, 1977
में सब रजिस्ट्रार एरंडोल के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 19-7-78

मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st May 1978

No. A. 12025(ii)/1/77-Admn. III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Industrial Development for appointment as Section Officer *vide* DOP&AR O.M. No. 5/21/77-CS(1) dated 15-3-78, Shri G. V. Mathur, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission appointed to officiate as Section Officer on *ad hoc* basis *vide* Union Public Service Commission Notification No. A. 32014/1/78-Admn. III dated 24th April 1978, relinquished charge of the office of Section Officer in Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1-5-78.

No. A. 12025(ii)/1/77-Admn. III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Works & Housing for appointment as Section Officer *vide* DOP&AR O.M. No. 5/21/77-CS(1) dated 15-3-78, Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission appointed to officiate as Section Officer on *ad hoc* basis *vide* Union Public Service Commission Notification No. A. 32014/1/78-Admn. III dated 27th March, 1978, relinquished charge of the office of Section Officer in Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 2-5-1978.

The 27th June 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. III(1).—The President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 2-6-78 to 17-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(2).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Arora, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission and working as Desk Attache, to officiate in the Section Officers' grade of the service for a period of 46 days from 12-6-78 to 27-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

2. In pursuance of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(1) dated 11-12-75, Shri S. K. Arora, for the period he officiates as Section Officer, has been re-designated as Desk Officer and will draw a Special Pay @ Rs. 75/- per month in addition to his pay as Section Officer.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 24-5-78, the President is pleased to appoint Shri S. R. Khanna, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-7-78 to 7-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th June 1978

No. A. 11016/1/76-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier, in the office of Union Public Service Commission.

S. No.	Name	Period
1.	Shri R. N. Khurana	15-6-78 to 15-7-78 (31 days)
2.	Shri S. Srinivasan	21-6-78 to 15-7-78 (25 days)

2. The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A. R. O. M. No. 12/1/74-CS (1) dated 11-12-75.

P. N. MUKHERJEE
Dy. Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 19th June 1978

CORRIGENDUM

No. A. 11016/1/76-Admn. III.—This office notification of even number dated 6-6-78 may partially be modified to read as :—

(ii) Shri S. K. Arora, Officiating as Section Officer (Special) stand reverted to the post of Assistant with effect from 30-5-78 (F.N.) and appointed as Desk Attache with effect from 30-5-78 to 28-2-79.

He may continue in Recruitment (R) Section.

2. The appointment of Shri N. K. Dhingra as Desk Attache from 30-5-78 to 28-2-79 *vide* this office notification of even dated 6-6-78 shall be treated as cancelled.

The 30th June 1978

No. P/248-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri R. R. Ahir, permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, after attaining the age of superannuation with effect from 30-6-1978 (AN).

P. N. MUKHERJEE

Dy. Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 10th July 1978

No. A. 31014/1/78-Admn. III.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Jha, appointed as Probationer in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission on the basis of the Indian Administrative Services etc. Examination, 1974, substantively to the Section Officers' Grade of the Service in the same cadre with effect from 1st July, 1978.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary,

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th July 1978

No. P-4/73-Ad. V.—Consequent on the expiry of his term of deputation Shri P. V. Hingorani, IPS(U.P.) relinquished charge of the office of Additional Director, C.B.I. & Special I.G.P./S.P.E. on 30-6-1978 (AN).

No. P-4/73-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Hingorani, retired IPS Officer of U.P. Cadre as Additional Director, Central Bureau of Investigation & Special Inspector General of Police, Special Police Establishment on re-employment basis for a period of six months from the forenoon of 1st July, 1978.

K. K. PURI

Dy. Director (Admn.)

Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 14th July 1978

No. F.B-5/74-Ad.V.—On repatriation, the services of Shri B. K. Gill, Dy. Supdt. of Police, an officer of the Gujarat State Police, on deputation to C.B.I., Ahmedabad are placed back at the disposal of the State Govt. with effect from 30-6-1978 (A.N.).

M. K. AGARWAL

Administrative Officer (A)

C.B.I.

New Delhi, the 5th July 1978

No. A-21021/15/78-Ad. I.—Consequent upon their promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following SIs as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Bombay GOW Branch

in a temporary capacity, with effect from the dates shown against each until further orders.

Sl. No.	Name	Date from which appointed as Inspector of Police.
S/Shri		
1.	K. D. Mishra	19-6-1978(AN)
2.	R.R. Sahay	19-6-1978 (AN)
3.	K. T. Mathew	22-6-1978 (FN)
4.	A.G. Karve	19-6-1978 (AN)

No. A-21021/15/78-Adl.—Consequent upon his promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Md. Ansar E. Munshi, S.I. as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 17-6-78 until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 11th July 1978

No. O.II-1045/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRP Force on *ad-hoc* basis for a period of three months only with effect from the forenoon of 21st June 1978 or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 13th July 1978

No. O.II-4/76-Estt.—Consequent on his services having been placed at the disposal of the IG, CISF, Shri B. R. Sur, an IPS Officer of M/J Cadre, relinquished charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Ajmer on the forenoon of 17th June 1978.

The 17th July 1978

No. O.II.1076/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Mis.) Bina Gupta, GDO; Grade-I of Base Hospital I, CRPF New Delhi with effect from the afternoon of 14th June 1978.

The 18th July 1978

No. P-VII-9/76-Estt.—The appointments of the following Medical Officers (GDO; Gd-II Dy. S. P./Coy Comdr) as GDO; Grade-I (Asstt. Comdt) in the Central Reserve Police Force on an *ad-hoc* basis vide Notifications No. P-VII-9/76-Estt. dated 27-10-77 and 2-2-78 are hereby regularised with effect from the dates they were promoted on *ad hoc* basis as mentioned against each :—

Sl.No.	Name	Date of promotion as GDO; Gd-I	Present Unit.
1.	Dr. Purshottam Panda	2-9-77	G.C. Mokameghat
2.	Dr. Debendranath Kar	5-9-77	G. C. Gandhinagar
3.	Dr. T. K. Roy	31-8-77	G. C. Pallipuram
4.	Dr. R. K. Pradhan	7-9-77	G. C. Nagpur
5.	Dr. Kulomani Mahapatra	12-9-77	G. C. Bhubaneswar
6.	Dr. Banchamdhri Acharya	9-9-77	Base Hospital-II Hyderabad
7.	Dr. B. C. Sahu	18-9-77	G.C. Avadi
8.	Dr. A. K. Dash	6-10-77	G. C. Rampur
9.	Dr. Satya Narain Patnaik	22-12-77	G.C. Bantalab, Jammu
10.	Dr. R.K. Mohanty	10-12-77	G. C. Neemuch
11.	Dr. G. C. Mohanty	6-12-77	G.C. Imphal
12.	Dr. U.C. Biswal	7-12-77	Base Hospital-II Hyderabad
13.	Dr. K. K. Sami	21-11-77	Base Hospital-I New Delhi
14.	Dr. S. N. Jaya Prakash	24-11-77	G.C. I Ajmer

No. O.II.1058/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Ram Bhariosa Thakur, JMO (GDO, Grade-II) of 31st Battalion, CRPF with effect from the afternoon of 6th June 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 6th July 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to HFCL, Barauni Shri Vijaya Sinha relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 20th May 1978.

On transfer from Calcutta Port Trust Shri A. C. Roy assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the same date.

No. E-E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Calcutta Port Trust Shri Ashok Darbari relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, HFCL, Barauni with effect from the forenoon of 28th May 1978.

On transfer from BCCL Jharia Shri Vijaya Sinha assumed the charge of Commandant, CISF Unit, Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Barauni with effect from the same date.

R. C. GOPAL
Inspector-General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTANTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 12th July 1978

No. Admn.I/O.O. 188/5-5/Promotion/78-79/662.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Accountant Officer with effect from the afternoon of 30th June 1978 until further orders.

1. Shri O. P. Aggarwal II.

Sd/- ILLEGIBL
Senior Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT-GENERAL,

MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 30th June 1978

No. Admn.I/IAD/5(128)/3.—Shri G. S. Ramasubhan, an officiating Accounts Officer of this office is deemed to have retired from service with effect from 31st October 1975 under Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972 read with Ministry of Finance, O.M. No. 44(1)-E V/71, dated 13th April 1973, consequent on his permanent absorption in the Central Warehousing Corporation.

The Ministry of Finance has conveyed the sanction to the permanent absorption of Shri G. S. Ramasubhan, Accounts Officer in the Central Warehousing Corporation with effect from 31st October 1975. On the terms and conditions communicated with Comptroller and Auditor General's Office letter No. 1777-GE II/62-77-II, dated 17th June 1978.

R. KRISHNAN KUTTY
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th July 1978

No. 2018/A-Admn/130/75-78.—The Director of Audit Defence Services, is pleased to appoint the undermentioned substantive/officiating members of the SAS to officiate as Audit

Officer, until further orders, in the offices and from the dates noted against each :

Sl No. Name	Office in which appointed	Date
S/Shri		
1. V. Sankaranarayanan	Sr. Dy. Director of Audit, Defence Services, W/C. Meerut.	7-6-78 (AN)
2. Kishen Lal	Sr. Dy. Chief Auditor (OF) Kanpur.	26-6-78 (IN)

No. 2019/A-Admn/130/75-78.—Consequent on his permanent absorption in the Hindustan Zinc Ltd., with effect from 5-5-77 (FN), the lien of Shri C. V. Viswanathan, sub S.O. (Audit)/officiating Audit Officer in the department has been terminated in terms of FR. 14-A(d) from the same date.

No. 2020/A-Admn/130/75-78.—On his superannuation Shri R. P. S. Rao, Substantive Audit Officer of the Audit Department, Defence Services, retired from service with effect from 31-5-78 (AN).

K. B. DAS BHOWMIK
Sr. Dy. Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 6th July 1978

No. 23011(1)/66/AN-II.—The following Officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1.	Kumari Usha Grace	16-7-77
2.	Shri Thomas A. Kallivayalil	30-11-77
3.	Shri Abhijit Basu	17-7-77
4.	Kumari Radha S. Aiyar	30-11-77
5.	Shri Hari Santosh Kumar	30-11-77
6.	Kumari Ganga Purkuti	31-7-77

The 14th July 1978

CORRIGENDUM

No. 68018(2)/71-AN-II.—This office Notification No. 68018(2)/71-AN-II dated 25th July '77, notified in the Gazette of India, dated 20th August '77 (Part III, Section 1, Page 3725) regarding proforma promotion of Shri C. V. Nagendra, IDAS to the Level II of the Senior Administrative Grade with effect from 16th June, 1977 (FN) is hereby cancelled.

V. S. BHIR
Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 13th July 1978

No. 33/78/G.—On expiry of leave pending retirement Shri K. N. Pai, o.l.g. Deputy Manager (Subst. Permt. Foreman), retired voluntarily from service w.e.f. 2nd May 1978 (F/N).

V. K. MEHTA
Assistant Director General
Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 7th July 1978

No. 12(323)/62-Admn.(G).—On return from deputation with Indian Investment Centre, New Delhi, Shri H. M. Som,

assumed charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, with effect from the afternoon of 30th June, 1978.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th July 1978

No. A.19011(175)/76-Inst.A.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri B. N. Basu, officiating Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 24th December, 1977.

S. BALAGOPAL
Head of Office

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 10th July 1978

No. E1-5390/913-H.—In continuation of this office Notification No. E1-5359/913-H dated the 19th April, 1978, the ad hoc appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 30th September, 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA
Major-General,
Surveyor General of India.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th July 1978

No. 4(90)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri E. J. Alhat as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 24th April, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th July 1978

CORRIGENDUM

No. A.12023/15/76(HQ)Admn.I.—In this Directorate's notification No. A.12023/15/76(HQ)Admn.I dated 5th July, 1977, for para 1, the following will be substituted :—

"Shri J. K. Sikka relinquished charge of the post of Assistant Architect, Directorate General of Health Services on the afternoon of 5th March, 1977."

No. A.19020/16/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. K. Khullar to the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S. Meerut with effect from the forenoon of 13th June, 1978, on an ad hoc basis and until further orders.

The 13th July 1978

No. A.19015/9/76-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. V. Raman, Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of 30th June, 1978.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 14th July 1978

No. A.12026/14/78-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. G. Kent, Office Supdt. Government Medical Stores Depot, Karnal in the post of Assistant Depot Manager (Gazetted Group 'B') in the same Depot with effect from the forenoon of the 1-7-78 and until further orders.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 11th July 1978

No. A-19024/8/78-A.III.—Shri C. S. Sharma, Senior Chemist, has been appointed to officiate as Chief Chemist at R. A. L., Kanpur, with effect from the forenoon of 1st July, 1978 on short term basis.

The 12th July 1978

No. A-19023/58/78-A.III.—Shri S. B. Chakravarty, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) at Faridabad w.e.f. 29-6-78 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular appointments are made whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Chakravarty relinquished charge of the post of A.M.O. at Vatanasi in the afternoon of 27-6-78.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
VARIABLE ENERGY CYCLOTRON

Calcutta, the 11th July 1978

NOTICE

No. Ref. 7(Genl)/77/Vig/803.—The below furnished letter sent to Shri K. B. Karki, Watchman (workcharged) V.E.C. Project, Calcutta, by Registered A.D. at his last known addresses have been returned by the Postal Authorities undelivered. The letter is, therefore, to be published in the Gazette.

REGISTERED A.D.

GOVERNMENT OF INDIA

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Variable Energy Cyclotron

I/AF, Bidhan Nagar,
Calcutta-700 064.
April 21/22, 1977.

Ref : VEC/C/Per-KBK/3294

Sub : Unauthorised absence of Shri K. B. Karki, Watchman—Failure to report for duty—One month's notice as per terms of appt.

Shri K. B. Karki, Watchman (workcharged), VEC, Calcutta, had applied for 30 days' leave w.e.f. 6-4-76 and he was required to report for duty on 8-5-76.

A memo dated 9-6-76 was sent to Shri Karki by registered post asking him to report for duty immediately on his address as available in office records and subsequently a reminder was also sent to him on 8-7-76. The second communication was returned to this office by the postal authorities as the same could not be delivered.

Till today, Shri Karki has not reported for duty nor has this office received any communication whatsoever from him.

The Competent Authority has terminated the service of Shri K. B. Karki and one month's notice is hereby given as per terms of his appointment memorandum dated 16-3-73.

Sd/-
T. I. ASNANI
Administrative Officer-III

Shri K. B. Karki
Vill. Dahachok Purandi
P. O. Kathmandu
P. S. Kritipur
Dist. KATHMANDU (Nepal).

Shri K. B. Karki
C/o Shri Chandra Bahadur Karki
Motijhil Colleege, Dum Dum,
CALCUTTA-28.

G. SETHURAMAN
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 10th July 1978

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/17750.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri D. D.

Nayak, Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on an ad hoc basis in the same Directorate for the period from 3-5-78 to 3-7-78 vice Shri V. S. Ramaswamy, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/17756.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers to officiate as Assistant Stores Officers in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from the dates indicated against each and upto July 31, 1978 :—

1. Shri V. V. Nair.—4-5-78.
2. Shri M. R. Menon.—12-6-78.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/17765.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated January 4, 1978 Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Nayyar, Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on ad hoc basis for a further period upto July 31, 1978.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 14th July 1978

No. 05052/78/3248.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ashwinkumar Kantilal Parikh, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

No. 05052/78/3249.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Subhash Rao, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

The 15th July 1978

No. HWPs/Estt./P-3265.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Project w.e.f. May 8, 1978 (FN) to June 10, 1978 (AN) vice Shri S. C. Thakur, APO, appointed to officiate as Administrative Officer in Heavy Water Project (Baroda).

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the July 1978

No. SAC/FST/CA/ASD/12/78.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri K. V. Patel, a temporary Engineer—SB of this Centre with effect from the afternoon of July 10, 1978.

S. G. NAIR
Head, Personnel & Gen. Admn.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th July 1978

No. E(I)00920.—The Director General of observatories hereby appoints Dr. K. C. Garg, as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st June 1978 and until further orders.

Dr. Garg has been posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

G. R. GUPTA
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 13th July 1978

No. A.32014/1/78-FS.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Janki Prasad, Store Assistant as Store Officer (Group 'B' Post) in the office of the Regional Director, Madras with effect from the 12th June, 1978 FN and until further orders.

S. L. KHANDPUR
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 11th July 1978

No. A. 31013/1/78-EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes in the Civil Aviation Department with effect from 21-6-1978.

S. No.	Name	Station of Present posting
1.	Shri Jagdish Chandra	Dy. Director (TE) at Hqrs.
2.	Shri S.W.J. Norton	Controller of Aerodrome, Madras Airport, Madras.
3.	Shri R. L. Pereira	Controller of Aerodrome, Bombay Airport, Bombay.
4.	Shri S. K. Bose	Dy. Director (Planning) at Headquarters.

No. A.39013/4/78-FA.—Shri G. S. Ganesan, Asstt. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras resigned from Government service with effect from the 27th June, 1978 (FN).

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 12th July 1978

No. 16/302/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri A. N. Shukla, as Research Officer, at the Forest Research Centre, Burnihat with effect from the forenoon of 27th April, 1978 until further orders.

The 13th July 1978

No. 16/290/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Satyendra Nath Das as Research Officer, under Vth Five Year Plan Scheme "Forest Soil Laboratories (Forest Soil-cum-Vegetation Survey)" at its regional Centre at Midnapur under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 11th May, 1978, until further orders.

No. 16/283/EE-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Awadhesh Kumar Singh as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme "Forest Soil Laboratories, Forest Soil-cum-Vegetation Survey", at its regional Centre, Jabalpur with effect from the forenoon of 1st May, 1978 until further orders.

The 14th July, 1978

No. 16/292/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Ram Kumar Rathore as Research Officer at the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 5th July, 1978 until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kulachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 11th July 1978

S. No. 9/78.—Shri M. A. Kaorey, Superintendent (Legal), Central Excise, Headquarters Office, Nagpur, having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of the 31st May, 1978.

M. R. PAROOLAKER
Collector

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 6th July 1978

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 27/1978.—Shri M. J. Bhansali, Chemical Assistant Grade I, Custom House Laboratory Kandla has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Central Excise Regional Laboratory, Baroda with effect from 30-6-78 fore-noon and until further orders.

D. R. GUPTA
Chief Chemist, Central Revenues

NARMADA WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-110011, the 12th July 1978

No. 19/43/78-NWDT.—Secretary, Narmada Water Disputes Tribunal, hereby appoints Shri N. S. Natarajan, a Selection Grade Stenographer of Grade 'C' of the C.S.S.S. Cadre of the Ministry of Labour, as Private Secretary in Narmada Water Disputes Tribunal, on deputation basis, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 1st July, 1978, until further orders.

S. K. CHANDA
Administrative Officer
Narmada Water Disputes Tribunal

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 10th July 1978

No. A-12017/5/76-Adm. V.—In continuation of notification No. A-12017/5/76-Adm. V dated the 27th February, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri S. A. Shah to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Coimbatore Gauging Division, Coimbatore, Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 1-7-1978 to 30-9-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-12017/5/76-Adm. V.—In continuation of notification No. A-12017/5/76-Adm. V dated the 27th February, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri B. K. Goswami to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Gauhati Gauging Division, Gauhati, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 1-7-1978 to 30-9-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

The 15th July 1978

No. A-19012/667/77-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri S. C. Sood, Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Sikkim Investigation Division, Gangtok (Sikkim), Central Water Commission, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. the forenoon of 24th May, 1978 upto 25th October, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA
Under Secretary
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th July 1978

No. 33/111-EC. IX (Pt. IV).—The Director General of Works, CPWD is pleased to appoint undermentioned nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Assistant Architect (G.C.S. Group B) in the CPWD on a pay of Rs. 650/- P.M. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (plus usual allowances) with effect from the dates indicated against each :—

1. Shri R. M. Aggarwal 31-5-78 (F.N.)
2. Shri P. S. Khurana 1-6-78 (F.N.)

2. The above officers are placed on probation for a period of two years w.e.f. the dates they joined C.P.W.D.

KRISHNA KANT
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 12th July 1978

No. A-39012/5/76-ESI.—The President is pleased to dismiss from Government service Shri N. K. Malhotra, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) of the Directorate of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from 3-2-1978.

S. S. KSHETRY
Dy. Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENTS OF COMPANY AFFAIR)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Andhra Automobiles Private Limited*

(Pursuant to Section 445(2) of Companies Act, 1956)

Hyderabad, the 30th June 1978

No. 277/Liqn.—By an order dated the fifteenth day of October One thousand nine hundred and seventy six in Company Petition No. 2 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to wind up Andhra Automobiles Private Limited.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Debonair Limited*

Hyderabad, the 11th July 1978

No. 643/T.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 56 of the Companies Act, 1956, that the name of Debonair Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Raghrpa Private Limited.*

Calcutta, the 11th July 1978

No. 24376/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Raghrpa Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

11—186GI/78

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Svapna Press Private Limited*

Calcutta, the 11th July 1978

No. 17080/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Svapna Press Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Bacsel India Limited.*

Calcutta, the 11th July 1978

No. 29632/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bacsel India Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
New India Lucky Scheme & Finance Private Limited.
(In Liqn.)*

Jullundur, the 12th July 1978

No. G/Stat/560/2693/3524.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of New India Lucky Scheme & Finance Private Limited (In Liqn.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Kay Kay Cycles Private Limited.*

Jullundur, the 12th July 1978

No. G/Stat/560/3251/3525.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kay Kay Cycles Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Vashisht Chit Fund & Finance Company (P.) Limited.*

Jullundur, the 12th July 1978

No. G/Stat/560/3235/3527.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vashisht Chit Fund & Finance Company (P.) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sri Ganesh Motor Service Private Ltd.*

Bangalore, the 12th July 1978

No. 764/560/78 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Ganesh Motor Service Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Mysore Extrusion Company Private Ltd.*

Bangalore, the 12th July 1978

No. 2226/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Extrusion Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies
Karnataka

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Metal Products Private Limited*

Calcutta, the 12th July 1978

No. L/11920/H-D(1825).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 17-6-76 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sarda Chit Fund Private Limited*

Calcutta, the 12th July 1978

No. L/27902/H-D(1882).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 29-11-77 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Oodakah*

Calcutta, the 12th July 1978

No. L/1858/H-D(1808).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 24-2-76 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MULIK
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Electricity & Sound Private Limited.*

Patna, the 15th June 1978

No. (465)560/78-79/1/2643.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Electricity & Sound Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. BANERJEE
Registrar of Companies
Bihar, Patna

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Annai Nadu Publications Limited*

Madras, the

July 1978

No. DN/62/43/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Annai Nadu Publications Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Pavitra Chit Schemes & Trading Private Limited.*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./553/1367(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Pavitra Chit Schemes & Trading Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orissa Heavy Chemicals Private*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./494-1368(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orissa Heavy Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orissa Industrial Combine Private Limited.*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./515-1370(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orissa Industrial Combine Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Akhandalamani Milk Producers and Confectioners
Private Limited.*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./522-1371(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Akhandalamani Milk Producers and Confectioners Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sintalloys Private Limited*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./549/1372(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sintalloys Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. New Orissa Chemical Works Private Limited.*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./558-1373(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. New Orissa Chemical Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kalinga Seafoods Private Limited.*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./561/1374(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kalinga Seafoods Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kalinga Savings Unit Private Limited.*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./557-1375(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kalinga Savings Unit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Star of Orissa Credit & Investment Company
Private Limited.*

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./587-1376(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Star of Orissa Credit & Investment Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME TAX), AIWAN-E-GHALIB

New Delhi-110002, the 10th July 1978

F. No. 36/7/76-AD/DOMS/4207.—On his attaining the age of superannuation, Shri D. P. Roy, Senior Analyst in the

SIU of the Deptt. of Expenditure and lately working as Assistant Director in his Directorate relinquished the charge of Assistant Director in the Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi on the afternoon of 30th June, 1978.

JAGDISH CHAND
Director

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 11th July 1978

No. F. 48-Ad(AT)/1978.—1. Shri Niranjan Das Officiating Assistant Superintendent Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a period of three months w.c.f. 17-10-77 (F.N.) vide this office Notification of even number dated 1st November, 1977 and subsequently continued in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal Amritsar Bench, Amritsar for a further period of six months from 17-1-1978 to 16-7-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income tax Appellate Tribunal Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a further period of three months w.c.f. 17-7-1978 (F.N.) to 16-10-1978 or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Niranjan Dass a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/78.—Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-Tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New Delhi who was initially appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in the leave vacancy vice Shri C. L. Bhanot, Assistant Registrar, Delhi Benches for a period from 14-11-77 to 13-1-78 vide this office Notification of even number dated 28-11-77 and further continued in the same capacity as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period from 14-1-78 to 10-2-78 in the leave vacancy vice Shri Sat Pal Assistant Registrar, Delhi Benches and subsequently appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, in the Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis from 10-2-78 vide this office Notification of even number dated 9-2-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis till 13-11-1978 or till the post is filled up on regular basis, which ever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade nor for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDII/U/262/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A Share in Kothi No. B XVIII 621 and 453 measuring 445 sq. yds. situated at Model Town, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghbir Singh s/o Shri Makha Singh
r/o Kothi No. 453, Model Town, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Smt. Devki Bai w/o Shri Kidar Nath
ro Kothi No. 453, Model Town, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(A Share in Kothi No. BXVIII 621 and 453 measuring 445 Sq. Yds. situated in Model Town Ludhiana).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2548 of November, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Harnam Kaur wd/o S. Kartar Singh,
r/o Village Mangat, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Karamjit Kaur w/o S. Gan Singh,
r/o Village Soranwali, Tehsil Garshanker.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/U/257/77-78.—Whereas, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, measuring 50 kanal 1 marla, situated at Mangat, H. B. 64, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 50 kanal 1 marla, situated in Mangat H.B.64, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2389 of November, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/266/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 243 (Municipal No. B-18-845) measuring 855.22 Sq. yds. situated at Model Town, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Beant Singh MLA s/o Sh. Hazura Singh
r/o Kothi, Post Office Payal, Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S/Shri 1. Yash Pal, 2. Vikram Kumar
Ss/o Shri Prem Nath
r/o 228-L, Model Town, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 243 (Municipal No. B-18-845) measuring 855.22 sq. yds. situated in Model Town, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2585 of November, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/258/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-1 251/3 measuring 140 Sq. yds. situated at Kachery Road near Domorya Bridge, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. N. Anand, CMO Sonapat (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Bani Parshad Jain s/o Sh. Munshi Lal Jain, r/o B-1/251/3, Kachery Road, Ludhiana. B-1/1349/4 (new).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-1-251/3 measuring 140 sq. yds. situated at Kachery Road, near Domorya Bridge, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2397 of November, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/269/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Mela Ram s/o Shri Daulat Ram
B-3-998/1, Ghatti Gujran, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Puran Singh s/o Shri Gurbax Singh,
983/A, Deep Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2646 of November, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/267/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

12—186GI/78

- (1) Shri Mela Ram s/o Shri Daulat Ram R/o B-3-998/1, Ghatti Gujran, Daresi Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Gurbax Singh, s/o Shri Jinda Singh, R/o 983/4, B-1, Deep Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2629 of November, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Mela Ram s/o Shri Daulat Ram,
B-3-998/1, Ghatti Gujran, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Resham Singh s/o Shri Gurbax Singh
Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/265/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal situated in Village Hussainpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2584 of November, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Fouji S/o Shri Mirza, through General Attorney, Shri Bundu S/o Shri Fouji, Village Satbari (Delhi).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road,

New Delhi-1(110001)

New Delhi, the 15th July 1978

No. IAC. Acq. I/SR-III/225/Nov.II(28)/77-78/1738. —
Whereas, I. J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24/2, 25 & 26 situated at Sat-Bari, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 3.12.77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Suresh Chand Jain, S/o Shri Sher Singh Jain, R/o C-29, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 24/2, 25 & 26 measuring 5 Bighas situated at village Sat Bari (Delhi State).

I. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi-110001

New Delhi, the 15th July 1978

No. IAC. Acq. I/SR-III/216/Nov. II(8)/77-78/1738.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
E-218 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 20.11.77
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons
namely :—

(1) Smt. Silu Thakur W/o Shri Anand Kumar Thakur
Resident of 16/39, Diplomatic Enclave, New Delhi.
(Transferor)

(2) Avtar Krishan Gurdas Ram Gupta S/o Shri Vishwa
Nath Khanna R/o B-68, HUF Greater Kailash II
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of residential land bearing No. E-218, measuring
250 sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi and
is bounded as under :

East—E-216
West—Road
North—Road
South—Lane

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-7-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Sh. Satish Kumar & Rajesh Kumar S/ H. R.
Nanda, R/o, J-27, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Nihal Chand Rakyar, S/o Shri Khairati Lal R/o
E-494 Greater Kailash-II, N. Delhi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi-110001Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi-110001, the 13th July 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.IAC. Acq. I/SR-III/Mar. 55/78/373/1748.—Whereas I,
J. S. GILL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.E-494, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 18.3.1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house built on a free-hold plot of land bearing No.
E-494, measuring 550 sq. yds. situated at Greater Kailash-II,
New Delhi and bounded as under :East—Plot of land No. E-492
West—Plot of land No. E-496
North—Road
South—Road

I. S. GILL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act. to the following per-
sons, namely :—

Date : 13.7.1978

Seal :

FORM ITNS ———

- (1) (1) Amarjit Singh S/o Sh. Gurnam Singh,
 (2) Sh. Tajinder Pal Singh S/o Sh. Raghbir Singh
 r/o D-22, Model Town, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Madhu Khurana, W/o Manohar Lal Khurana,
 r/o A-3, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road,
 New Delhi-110001

New Delhi-110001, the 18th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/221/Nov.II(14)77-78/1748.—
 Whereas, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

S-252 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908), in the office of the Registering Officer at
 at New Delhi on 23.11.1977

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of land bearing No. S-252 measuring 300 sq. yds.
 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and is bounded as
 under :—

East : Service Lane
 West : Road
 North : Plot No. S/250
 South : No. S/254

J. S. GILL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 18-7-1978

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

Acquisition Range-I, 4/14A, Asaf Ali Road,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 13th July 1978

No. IAC. Acq. I/SR-III/208/Nov. I(28)/77-78/1748.—
Whereas, J. J. S. GILL,being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.M-81, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
at New Delhi on 11.11.1977for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

- (1) Smt. Prakash Verma W/o Shri S. D. Verma R/o
17-B, Sujan Singh Park, N. Delhi.
- (2) Dr. Amar Nath Arora, S/o Shri Kartar Singh R/o
A-53, Kaitol Bagh, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. M-81 measuring 250 sq. yds.
situated at Greater Kailash-II, N. Delhi is bounded as under:
East : Road
West : Service Lane
North : Plot No. M-79
South : M-83, Plot.

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 13-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 13th July 1978

No. IAC. Acq. I/SR-III/Nov. 212/77-78/1748.—Whereas
I, J. S. GILL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.A-342 situated at Defence Colony, New Delhi
Mysore Sub-Area Officers' Housing Colony, Indiranagar,
at New Delhi on 15.11.1977(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1857/77-78 on 17-10-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) S. Gurcharan Singh Lamba, S/o S. Man Singh
Lamba R/o D-84, Defence Colony, New Delhi.
(2) S/Shri Dittu Ram Sardana S/o Ladda Shrimati
Juma Bai W/o Sh. Ditta Ram Sardana, (3) Sat
Pal S/o Dittu Ram Sardana. (4) Ram Narayan S/o
Shri Dittu Ram Sardana, R/o D-196, Defence
Colony; N. Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two-and-half storied house bearing No. A-342 measur-
ing 217 sq. yards situated at Defence Colony, New Delhi
and bounded as under :—

North : House No. A-343
South : House No. A-341
East : Road
West : Lane

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date 13.7.1978

Seal :

FORM ITNS ——— —

(1) Shri Prem Jagumal Choodani
R/o G-41, Jangpura Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kashyap s/o Shri Pahari Lal Kashyap,
R/o G-41, Jangpura Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 13th July 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR-III/192/Nov.II(1)/77-78/1748.—
Whereas, I, J. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

G-41, situated at Jangpura Extension, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

13—186GI/78

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property constructed on a plot of land
No. G-41, measuring 266 sq. yds. situated at Jangpura Ex-
tension, New Delhi and bounded as under :

North : Road
South : Lane
East : Road
West : Property No. G-40

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1978

Seal:

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1317/78-79/1743.—Whereas, I, N. S. CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 17 situated at D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Singh s/o Shri Mool Chand
17/22, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

(2) (1) Subhash Chand
(2) Shri Munish Kumar.
Ss/o Shri Ram Lal
R/o E-13, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of plot of land bearing Western Southern portion of plot No. 17, area about 270 sq. yds. out of area 556.08 sq. yds. (out of entire area of the said full plot 2664 sq. yds.) alongwith whole of the structure, constructed on the said area 270 sq. yds. consisting of two tin shed, two stores, open courtyard, two latrine, one urinal with boundary walls, situated at 17, D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, in the area of Village Basi Darapur, Delhi and bounded as under :—

North : Remaining portion of Plot No. 17
South : Remaining portion of the plot No. 17
East : Remaining portion of the plot No. 17
West : Road leading to plot No. 17

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 18-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 20th July 1978

Ref. No. IAC-Acq-III/SR-II/Nov/1567(31)/77-78.—
Whereas, I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5, situated at Block A,
Shankar Garden, Najafgarh Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30th November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Adarsh Krishan S/o L. Ghansham Narain,
H. No. 2584, Gali No. 5, Beadonpura,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Madan W/o Kundan Lal
H. No. 2811, Gali No. 19, Beadonpura,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Plot No. 5, Block A, measuring 444.44 sq yds. situated in the approved colony known as Shankar Garden, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation the Revenue Estate of Village Possengipur, in the State of Delhi on Main Najafgarh Road, and bounded as under :—

North : Road
South : Road
East : Plot No. A-6
West : Plot No. A-4.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 20th July 1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Potha Gowd S/o Sri Naga Gowd,
Metpalli Karimnagar, District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Smt. K. Venkatamma
W/o Sri K. Vengalreddy
Metpalli, Karimnagar District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th July 1978

Ref. No. RAC.89/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-
RAMANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

J-4-100 and 101 situated at Metpalli Karimnagar, Dist.

(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
Metpalli on 3-11-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-4-100 and 101 (Total area 525 Sq. Yds.)
situate at Metpalli, Matpalli Taluka, Karimnagar District,
purchased through document No. 1584/77 registered in the
office of the S.R.O. Metpalli, Karimnagar district.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-7-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.90/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2-3-177 situated at Ramgopalpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Razia Begum
W/o Rafiq Mohd. Khan
54, Nallagutta, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Aboobakar S/o Wali Mohd.
2-3-177, Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

(3) Abdul Kareem and Eagle Transport Company
2-3-177, Ramgopalpet, Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 2-3-177 situated at Ramgopalpet, Secunderabad, registered as Document No. 2200/77 by the S.R.O., Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.91/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278(old), 1931/2 (new) situated at 18th ward, Anantapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anantapur on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Talupur Radhabai
W/o Late Ramarao,
Anantapur.
2. Smt. P. Kamala W/o Sri Chandra Rajarao,
Kalipiri, Chittoor District.

(Transferor)

- (2) 1. Bandaru Chenna Kesanna
2. Bandaru Ramadas
3. Bandaru Gangadhar
4. Bandaru Konayya

R/o Dharmavaram

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land 0-72 cents in survey No. 278(old), 1931/2 (new) in 18th ward Anantapur town; registered through document No. 4712/77 at the Registrar's office, Anantapur.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.92/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/1 situated at J. N. Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Dinbanoozal Bastawala,
4-1-824, J. N. Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri Rajkumar Gupta,
S/o Roopkishore Gupta,
17/4, Vigyanpuri, Hyderabad.
(Transferee)
- (3) M/s. Ram Enter Prises,
4-1-824/1, J. N. Road, Hyderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Room No. 4-1-824/1, Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad, admeasuring 44.7 sq. yds. registered through document No. 3255/77 at the office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.93/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-824/2 situated at J. N. Road, Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Kumari Dinbanoozal Bastawala,
4-1-824, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Kumar Gupta,
S/o Roop Kishore Gupta,
17/4, Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferee)

- (3) M/s. Ram Enter Prises,
4-1-824, J. N. Road, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Room No. 4-1-824/2, Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad (Total area 55 sq. yds.) purchased through document No. 3,278/77 registered at the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.94/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-418 situated at Feelkhana, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
14—186GI/78

- (1) 1. Shri Thodupunuri Anjaiah, S/o Bheemaiah
2. Thodupunuri Venkatesam S/o Anjaiah,
3. Thodupunuri Bhoomesh S/o Anjaiah.
R/o 15-1-418, Feelkhana,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Garipalli Laxshmikantamma W/o Veeresham
'3-2-269, Keshavkuteer', Nagannagari Devdi,
Secunderabad.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Mohindar Transport Private Limited
15-1-418, Feelkhana, Hyderabad.
2. Garipalli Veeresham,
Cashewnut Merchants,
Begumbazar, Hyderabad.
3. Smt. Kamalabai W/o Lakshminarayana,
15-1-418, Feelkhana, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed portion of house bearing M. No. 15-1-418, situated at Feelkhana, Hyderabad (admeasuring 83.56 sq. vds.) registered through document No. 3018/77 at the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.95/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XXI-39 situated at S.K.D. Colony, Adoni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) N. Kashipathirao S/o Chidambararao.
Retired teacher, S.K.D. Colony,
Adoni.

(Transferor)

- (2) 1. K.Prahaladareddy
2. K. Shankerreddy
3. K. Yellareddy
Sons of K. Venkataramareddy
Markattu village, Adoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. XXI-39 S.K.D. Colony, Adoni (Total area 1,211 sq. yds.) purchased through document No. 2062/77 registered in the office of the Registrar, Adoni.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Devnani, S/o Khashomal,
Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA(2) Shri Dinanath Modi S/o Hanumandas Modi,
C/o Ashok Automobiles,
Afzalgunj, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.96/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/A25 situated at Siddiambarbazaar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground-floor mulgi bearing No. 15-1-503/A/25 at Siddiambarbazaar, Hyderabad (total area 26.61 sq. metres) purchased through document No. 2975/77 registered in the office of the Joint Sub Registrar's office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.97/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-1-209 situated at Chikkadpalli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mehtab Khatoon W/o Sri Hoshdar Khan, Miralam Mandi, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri M. Lakshmipathi, H. No. 1-1-200, Chikkadpalli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal Door No. 1-1-209 and House No. 1-1-206 first floor and part of House No. 1-1-201 (open-land) Chikkadpalli Mainroad, Hyderabad. 105 Sq. yards, registered through document No. 3055/77 at the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. 98/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7+2906 situated at Hissamgunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri M. S. Chandrasekhararao,
2. M. Ravishankar,
146, Marredipally, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Shri Telukunta Lakshmi Narasamma,
39/40 Marcedipally, Secunderabad. (Transferee)
- (3) M/s. Telukunta Balakrishnaiah, Venkatesham &
Sons, 7-2-906, Hissamgunj, Secunderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 7-2-906 lease hold interest in plot No. 20 situated at Hissamgunj, Secunderabad as described in the sale deed No. 1886/77, registered by the S.R.O. Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Gopal Sainchar,
25A, St. Johns Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Ashatrika,
10-3-3/1, East Marredipally,
Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.99/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 situated at Premises No. 25A St. Johns Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot of land admeasuring 388.5 Sq. yards bearing No. 4, situated in the premises bearing No. 25A at St. Johns Road, Secunderabad as described in the sale deed registered under registration No. 2093/77 by the S.R.O., Secunderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.100/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6/2/203 situated at A.C. Guards Khiratabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khiratabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Badrunissa Begum W/o Syed Azeez Hussain R/o 20-7-645, Hyder Manzil, Fateh Darwaza, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Ahmed Bin Ali S/o Sri Ali Bin Saleh, President Rahmania Baitual Mall Society, A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-2-203 situated at A.C. Guards, Hyderabad as described in the sale deed registered vide Document No. 2943 by the Registering Officer, Khiratabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.101/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding RS. 25,000/- and bearing No. 11/5/431/1 situated at Lakidikapool, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khiratabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri E. Koocha Reddy,
5-5-754, Goshamahal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vardala Swamy,
513/D, New Mallapally,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 11-5-431/1, situated at Lakidikapul Hyderabad admeasuring 492 sq. yds. registered vide Document No. 2785/77 by the S.R.O. Khairatabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.102/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 30 situated at in premises of House No. 8-2-79 (Banjara Hills)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khiratabad on November, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—186G1/78

(1) Shri K. R. Sridharan,
I.D..L Chemicals,
Rourkela, 769016

(Transferor)

(2) Shri P. S. B. Rajan,
11, Uma Nagar, Begumpet,
Hyderabad-500016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 situated in premises of H. No. 8-2-579, Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 1323 sq. yds. as described in the sale deed registered by the S.R.O. Khiratabad vide document No. 2847/77.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri V. S. Varadaraj S/o V. O. Sabhapathi
10-3-31/1, East Marredipally,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sohanraj S/o Sri Indermul,
Marredipally, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.103/78-79.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 10-3-36 situated at East Marredipally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-3-36, situated at East Marredipally, Secunderabad, admeasuring 2394 sq. feet as described in the sale deed registered by the S.R.O., Secunderabad vide Document No. 1956/77.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No RAC. No. 104/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 12/155/12/156 situated at Thirumala, Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thirupathi on 7-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Archakam Venkataramana Dishtulu,
II. No. 364/B at Mitto Street,
Tirupathi.

(Transferor)

- (2) Shri Archakam Sreenivasa Murthy Dikshitulu,
108, R.S. Mada, Street,
Thirupathi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 12/155/12/56 at North mada, street, Tirumala, Thirupathi, Chandragiri-Tq. Chittoor-Dist. registered vide Document No. 2884/77 with the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 105/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

6-2-200/83 situated at Subashnagar, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri G. Satyanarayana Reddy,
H. No. 18-44/9/A Chikkadpally,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Laxman,
P/r in M/s. Ravindra Hotel,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storied R.C.C. building M. No. 6-2-200/83 at Subhash Nagar, Nizamabad, registered vide Document No. 4912/77 with the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 106/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 50 situated at Ground floor Abid Shopping Centre (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Sthanarayana Raju,
H. No. 8-2-438/I, Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mohd. Abdul Salem,
S/o Mohd. Suleman,
H. No. 3-5-786/38 at Sberguda, Kingh Koti,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 50 on the ground floor of Abid's Shopping Centre, M. No. 5-8-512 to 517/A at Chirag Ali lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3175/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 107/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of 12-8-28 situated at Old Beat Bazar, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Warangal on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Akcnapally Srinivasulu S/o A. Jaganadham,
R/o Station Road, Warangal.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Konduri Kalawathi,
D/o Sri K. Shanker Lingam
R/o Old Beat Bazar, Warangal.
2. Sri Konduri Rajeshwar Rao,
R/o Old Beat Bazar,
Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of building No. 12-8-28 situated at Old Beat Bazar Warangal, registered vide Document No. 3674/77 with the Sub-Registrar of Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC, No. 108/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Portion of 12-8-28 at Beat Bazar, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Warangal on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1) Sri Aknepalli Srinivasulu,
S/o A. Jaganadham,
R/o Station Road, Warangal.

(Transferor)

(2) Sri Konduru Shankar Lingam,
S/o K. Komarajah,
R/o Old Beat Bazar, Warangal.
2. Sri Konduri Sadasiva Rao,
S/o Sri K. Shanker Lingam,
R/o Old Beat Bazar, Warangal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of building No. 12-8-28 situated at Old Beat Bazar Warangal, registered vide Document No. 3673/77 with the Sub-Registrar, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th July 1978

Ref. No. RAC. No. 109/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-2-627 situated at Banjara Hills, Road No. 11, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Nawab Mujeebyarjung,
 2. Sahebzadi Rafathunnisa Begum,
Rep. by her G.P.A.
Nawab Mujeeb Yar Jung Bahadur,
 3. Sahebzadi Rahmatunnisa Begum,
 4. Sahebzadi Shaukatunnisa Begum,
Minor, Represented by her father,
Nawab Mujeeb Yar Jung,
All residing at Eden Garden, Hyderabad.
- (Transferor)

- () Dr. Faizunnisa W/o Late M. Khan,
H. No. 8-2-627 at Road No. 11,
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-627 situated at Banjara Hills, Road No. 11, Hyderabad, registered vide Document No. 3105/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th July 1978

Ref. No. RAC. No. 110/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-4-38 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—186GJ/78

- (1) Mrs. Najama Sultana W/o Mr. Qamruddin,
H. No. 10-4-14 at Masab Tank,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. Safia Sultana W/o Syed Saleem Ali,
H. No. 10-4-38 at Masab Tank,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-4-38 situated at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Document No. 3241/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th July 1978

Ref. No. RAC. No. 111/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-621/299, situated at Sanj Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Sri Pingle Gopal Reddy
S/o Sri Narsihmareddy,
R/o Karupallivai Jamikunta, Huzurabad,
Kareemnagar.

(Transferor)

(2) Sri Dondu Rama Raju
S/o Suryanarayana Raju,
H. No. 7-1-621/299 at Sanjeevareddynagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-1-621/299 at Sanjeevareddynagar Colony, Hyderabad registered vide Document No. 2927/77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Ref. No. Acq. File No. 686.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21-1-90 situated at Chikkalavari Street, Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 23-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Pentapati Narasimha Rao,
2. P. Mohan Rao,
3. P. Satyanarayana,
4. P. Suryanarayana,
5. P. Sunil,
M/G. Father P. Satyanarayana, Chikkalavari St.,
Phoolbagh Road, Vizianagaram-2.

(Transferors)

- (2) Kethala Rama Rao s/o Kamaraju,
Phoolbagh Road, Vizianagaram-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 6527/77 registered before the S.R.O., Vizianagaram, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Molleti Sreeramulu s/o Sattayya,
Ramnagar, Vizag-3.

(Transferor)

(2) Smt. Vedala Mary Vijaya Prabhavathi,
W/o Sundara Rao, Kotha Road,
Ramnagar, Vizag-3.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
KAKINADA**

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 687.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-4-7 situated at Ramnagar, Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 17-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Doc. No. 3931/77 registered before the S.R.O., Vizag, during the F.N. ended on 30-11-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-7-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 689.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 22-5-54 situated at Kothapeta, Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tenali on 17-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tadiparthi Satyavathi Devi
W/o Venkateswarlu,
16, Saraswathi Street, Mahalingapuram,
Kodambakam, Madras-34.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Devabhaktuni Vallidevi
W/o Venkatanarasimha Rao,
2. D. Raja Visweswara Rao,
3. D. V. Subrahmanya Nageswara Rao,
M/G Mother D. Valli Devi,
Uvasi Bhavan, Opp. Girls High School,
Kothapeta, Tenali.

(Transferee)

(3) 1. The Manager, Canara Bank,
Tenali,
2. Thakurdas B. Chulani,
English Ware House,
Tenali.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2915/77 registered before the S.R.O. Tenali, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 691.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 1032 situated at Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Prabhakara Rao S/o Venkataramaiah,
Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem,
Visakhapatnam-530 008.

(Transferor)

(2) Shri K. Krishnam Raju s/o Satyanarayana Raju,
Nedunuru, Amalapuram Tq.
(EG. Dist.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3686/77 registered before the S.R.O., Vizag during the fortnight ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 692.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 1032 situated at Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Narasimha Rao s/o Venkataramaiah, G.P.A. holder Sri M. Prabhakara Rao, Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem, Visakhapatnam-530 008. (Transferor)
- (2) Dr. Sallapudi Victor Luther Fleming, S/o Abraham, G.P.A. Holder Sri S. K. Jeevan, Abidnagar, Visakhapatnam-530 016 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3687/77 registered before the S.K.O., Visakhapatnam, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No 693.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. 1032 situated at Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Venkataramayya s/o Sri Subbayya, G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao, Opp. Parameswari Picture Palace, Kanchanupalem, Visakhapatnam-530 008. (Transferor)
- (2) Sri S. Satyanarayana Raju S/o Atchutarama Raju, P & T Colony Visakhapatnam-530 016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3688/77 registered before the S.R.O., Vizag, during the Fort-night ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 10-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq File Ref. No. 694.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 1032 situated at Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Anjaiah s/o Sri Kotayya,
G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao,
Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem,
Visakhapatnam-530 008.
(Transferor)
- (2) Sri Sallapudi Krupa Jeevan s/o Abraham,
Ice Factory, Abidnagar,
Visakhapatnam-530 016.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3689/77 registered before the S.R.O., Visakhapatnam, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 695.—Whereas, J. N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. 1032 situated at Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. Durgamba w/o Kumbarao,
G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao,
Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem,
Visakhapatnam-530 008.

(Transferor)

(2) Sri Sallapudi Krupa Iccvan s/o Abraham,
Ice Factory, Abidnagar,
Visakhapatnam-530 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3690/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the Fort-night ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 696.—Whereas, I, N. K. NAGA-
RAJANbeing the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

T.S. No. 1032 situated at Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Visakhapatnam on 2-11-1977for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—(1) Smt. M. Durgamba w/o Kumbharao,
G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao,
Opp Parameswari Picture Palace, Kanchalapalem,
Visakhapatnam-530 008.

(Transferor)

(2) Smt. S. R. Hemalatha w/o Dr. S. V. L. Fleming,
G.P.A. Holder Sri S. K. Jeevan,
Abidnagar,
Visakhapatnam-530 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No
3691/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam,
during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 697.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/97 and 98 situated at Dowleswaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 8-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Lalbaba Rolling and Sheet Mills (P) Ltd*
Represented by its Mg. Director
Sri Dantuluri Venkatanarasimha Raju,
Dowleswaram, Rajahmundry Tq.

(Transferor)

(2) Sri Satya Metal Industries,
Represented by its Mg. Partner
Sri Cherukuvada Appala Raju,
Dowleswaram, Rajahmundry Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 4343/77 registered before the S.R.O., Rajahmundry, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 698.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40-5-25/1 situated at Labbipeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 23-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Vengalla Suryaprakasa Rao,
S/o Suryanarayana,
Near State Bank Colony,
Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferor)

(2) Smt. Garikipati Surya Kumari,
W/o Krishna Rao,
Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3434/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No 699—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-41-55 situated at Kandulavari St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Ramnivas Jakotia
2. Gulabbai Jakotia,
L.Rs. of Sri Madanlal Jakotia,
Vadapallivari Street,
Vijayawada-1.

(Transferor)

- (2) Smt. Vimala Toshniwala
W/o Gopal Toshniwala,
Pulipativari Street, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3398/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 700.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-54-12 situated at Gulabchand St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Parepalli Sreeramulu s/o Sitaramaiah,
Raja Rangaiah Apparao St.,
Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Smt. Nukala Suryakumari w/o China Brahmaiah,
C/o Jaihind Market,
Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) 1. R. Peraiah & Co.
2. M. Sri Krishnamurthy,
Vijayawada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3423/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 701.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nandigam Palace situated at Tekkali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tekkali on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. C. Gajapati Deo,
Adopted son of Late Sri Padmanaba Gajapati Deo,
Tekkali, Now at Paluri Bungalow area,
Berhampur, Ganjam Dist

(Transferor)

(2) 1. Borigi Dasu
2. B. Murali
3. B. Laxminarayana,
Sons of Sri B. Sambu Murthy,
Tekkali, Srikakulam Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2926/77 registered before the Sub-Registrar, Tekkali, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 18-7-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref No. 702.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 545/A situated at Kalla Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 3-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

18—186GI/78

- (1) 1. Polasanapalli Someswara Rao
2. P. Kanakadurgamba
3. P. Naga Venkata Suryanarayana Murthy
4. P. Veera Venkata Satyanarayana Murthy
5. P. Suryakantham
6. P. Kusuma Kumari
7. P. Jhansi Laxmi,
M/G Father P. Someswara Rao,
Ajjaram, Tanuku Tq.

(Transferor)

- (2) Telagamsetti Ranganayakanima,
W/o Sree Ramamurthy Kulla,
Bhimavaram Tq., West Godavari Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2163/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 18-7-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 703.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29-19-78 situated at Suryaraopeta, Vijayawada

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on 17-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Kalathila Raghavaiah,
Sri Rama Vilas Hotel,
Ramachandra Rao Road, Suryaraopeta,
Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri Kopparapu Venkata Ranga Rao
S/o Late Sri Veeraraghavaiah,
Iadagamvari St., Suryaraopeta,
Vijayawada-2. (Transferee)
- (3) 1. S. Radhakrishna.
2. The Enforcement Officer (Labour Dept.)
Vijayawada. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3306/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 704.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 851, 852 & 853 situated at Pedakapavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Saripalle Suraparaju,
S/o Simhadri Raju,
Ganapavaram,
Tadepalligudem Tq.

(Transferor)

(2) Sri Kosuri Suryanarayana Raju,
S/o Subba Raju, Kshatriyapuram,
Pedakapavaram P.O., Bhimavaram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2244/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
KAKINADAKakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 705.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 851, 852 and 853 situated at Pedakapavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Saripalle Suraparaju,
2. S. Ramakrishnam Raju,
Ganapavaram, Tadepalligudem Tq. (Transferor)
- (2) Smt. Kosuri Bangaramma
W/o Suryanarayana Raju,
Kshatriyapuram, Pedakapavaram (P.O.)
Bhimavaram Tq. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2243/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 706.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 851, 852 and 853 situated at Pedakapavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Saripalle Venkataraju,
2. S. Sitaramaraju,
3. S. Ramakrishnam Raju,
Ganapavaram, Tadepalligudem Tq.

(Transferor)

- (2) Sri Kosuri Suryanarayana Raju,
S/o Subba Raju,
Kshatriyapuram, Pedakapavaram P.O.,
Bhimavaram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2242/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 707.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 851, 852 and 853 situated at Pedakapavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Saripalle Krishnam Raju
2. S. Venkata Suraparaju,
Ganapavaram, Tadepalligudem Tq. (Transferor)
- (2) Sri Kosuri Suryanarayana Raju,
S/o Subba Raju,
Kshatriyapuram, Pedakapavaram P.O.,
Bhimavaram Tq. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2241/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 708.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

36-13-8B situated at Santhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 17-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

13—156GI/78

(1) Smt. K. Saradamba w/o Sri Madhu Murthy,
Srinagar Colony, Back Side : Sarathi Studio,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M. Madhava Rao,
Door No. 36-13-8,
Santhinagar, 1st Line, Labbipeta,
Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3300/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 24th July 1978

Ref. No. A.P.293/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at
Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Capt. Agyapal Singh S/o
Shri Harkishan Dev Singh,
R/o Street No. 11, Krishan Nagar,
Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) 1. Thakur Munshi Ram alins Shri Besria Ram
S/o Shri Shyama,
2. Shri Ramesh Gupta s/o Shri Jagir Lal,
Fair Ways Travel Services, Court Road,
Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a house situated at Street No. 11, Krishan Nagar, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 2936 of November, 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 24-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prafulchand Bansilal Sanghvi &
Shri Sureshchand Bansilal Sanghvi,
At Post Utran, Tal. Erandol, Dist. Jalgaon.
(Transferor)

(2) The Directors of Nilons Food Private Ltd. Co.
Utran, Tal. Erandol, Dist. Jalgaon
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 19th July 1978

Ref. No. CAS/Erandol/Nov. 77/363/78-79 —Whereas, I, SMT. P. LALWANI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gat No. 175/B2 situated at Utran, Tal. Erandol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erandol on 9-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as alongwith Manufacturing hall, laboratory, casing room, packing material shed, Mechanical block, overhead water tank, etc.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1184 dated 9-11-1977 in the office of the Sub-Registrar, Erandol).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-7-1978

Seal :

